हिन्दी दैनिक

आर.एन.आई.नं.:-UPHIN/2005/16132

उपभोक्ता की दुनिया

श्रावस्ती से प्रकाशित

वर्ष : 21 अंक : 25 | श्रावस्ती, मंगलवार 01 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1 रूपया

मणिपुर में चार लोगों की गोली मारकर हत्या

मणिपुर (एजेन्सी)। मणिपुर हिंसारूमणिपुर अंदर ही अंदर सुलग रहा है। जहां एक तरफ अधिकारी दावा कर रहे हैं कि फरवरी में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद से मणिपुर में हिंसा में उल्लेखनीय कमी आई है, नागरिकों की मृत्यु और घायल होने की संख्या कम हुई है और नशीले पदार्थों की जब्ती में वृद्धि हुई है। मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स और अर्धसैनिक इकाइयों सहित सुरक्षा बल मई 2023 में हिंसा के दौरान पुलिस शस्त्रागार से लूटे गए हजारों हथियारों को बरामद करने के लिए भी काम कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरह एक तस्वीर ऐसी है जहां अभी भी लोग एक दूसरे के खून के प्यासे बने बैठे है। ताजा खबर मणिपुर के चुराचांदपुर से आ रही हैं। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में अज्ञात बंदूकध ारियों ने 60 वर्षीय महिला सहित कम से कम चार लोगों की सोमवार को गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधि कारी ने बताया कि घात लगाकर यह हमला मोंगजांग गांव के पास दोपहर दो बजे के आसपास हुआ जब पीड़ित एक कार में यात्रा कर रहे थे।

विधायक टी राजा ने भाजपा से दिया इस्तीफा

तेलंगाना (एजेन्सी)। भाजपा को झटका देते हुए तेलंगाना के गोशामहल से विधायक टी राजा सिंह ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी के राज्य नेतृत्व के लिए चल रही खींचतान पर नाराजगी जताते हुए राज्य भाजपा प्रमुख जी किशन रेड्डी को अपना इस्तीफा भेजा। अपने पत्र में राजा सिंह ने स्पष्ट किया कि भले ही वह भाजपा से अलग हो रहे हैं, लेकिन हिंदुत्व विचारधारा और धर्म की सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अपरिवर्तित है। उन्होंने कहा कि मैं अपनी आवाज उठाता रहूंगा और हिंदू समुदाय के साथ और भी अधिक मजबूती से खड़ा रहूंगा।

इससे पहले राजा सिंह ने भाजपा नेतृत्व से उन्हें पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त करने की अपील की थी। राजा सिंह ने एक वीडियो में कहा कि पार्टी के कई कार्यकर्ता उन्हें फोन कर रहे हैं और उन्हें अध्यक्ष पद पर देखने की इच्छा जता रहे हैं।

अब मिजोरम में गूँजेगी रेल की सीटी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। मोदी सरकार के कार्यकाल में भारतीय रेल उन स्थलों तक भी पहुँची है जहां रेलवे का सपना तो बहुत पहले देखा गया लेकिन उसे पूरा करने की दिशा में पहले की सरकारों ने कोई बड़े कदम नहीं उठाये थे। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू–कश्मीर में चिनाब पुल का उद्घाटन किया था जिससे कश्मीर घाटी का राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जुड़ने का सपना पूरा हुआ। अब सुदूर पूर्वोत्तर के राज्य मिजोरम की राजधानी आइजोल को देश के रेल नेटवर्क से जोड़ने के लिए निर्धारित 51.38 किलोमीटर लंबी बैराबी–सैरांग रेल लाइन भौगोलिक और साजोसामान से जुड़ी चुनौतियों को पार करते हुए बन कर तैयार हो चुकी है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के एक अधिकारी ने कहा है, ''रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीएसआर) की मंजूरी के साथ यह लाइन तैयार है।

राजनीति का इतना तापमान असहनीय : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेन्सी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को देश के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज का राजनीतिक माहौल भारतीय लोकतंत्र और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं है। उन्होंने कहा कि आज के समय में राजनीति का माहौल और उसका तापमान, दोनों ही हमारे लोकतंत्र और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं हैं। यह हमारी हजारों साल पुरानी संस्कृति से भी मेल नहीं खाता है। राजनीति में आप अलग–अलग दलों में हो सकते हैं और इसमें भी बदलाव होता रहता है कृ और बड़ा बदलाव होता है।

बरेली के आईवीआरआई में राष्ट्रपति ने मेधावियों को दिए पदक व उपाधि, कहा- पशु कल्याण की भावना से करें कार्य

बरेली (एजेन्सी)। बरेली में भारतीय पशु चिकित्सा संस्थान (आईवीआरआई) के 11वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि प्लेग महामारी के बाद अस्तित्व में आए इस विश्वस्तरीय संस्थान ने पशु संबंधी बीमारियों के निदान से लेकर जैव सुरक्षा तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यहां से डिग्री लेने वाले विद्यार्थियों को संदेश दिया है कि वह सर्वे भवन्तु सुखिनरू सर्वे संतु निरामयारू की भावना से सबके कल्याण की दिशा में काम करें। मुख्य अतिथि राष्ट्रपति ने छात्र–छात्राओं से कहा कि प्रकृति का पारिस्थितिकी चक्र बनाए रखने के लिए पशुओं व जीव जंतुओं का निरोग होना आवश्यक है। आपने महसूस किया होगा कि कुछ ही वर्षों में गिद्ध विलुप्त से हो गए हैं जबकि मानव, प्रकृति व पशु सभी एकदूसरे पर आधारित हैं। इसी तरह अन्य जीवों की मौजूदगी आवश्यक है। नए पशु चिकित्सक और वैज्ञानिक इस दिशा में काम करें। उन्होंने वेदों का जिक्र करते हुए कहा कि पशुओं से देवताओं का संवाद होता है, इसलिए उनकी बीमारियों के निदान के लिए नए प्रयोग होते रहने चाहिए। कहा कि वह खुद जिस परिवेश से आई हैं, वहां पशुओं के बिना किसान तरक्की नहीं कर सकते। डिग्री लेने वालों में छात्राओं की ज्यादा संख्या देखकर राष्ट्रपति ने खुशी जताई। कहा कि प्राचीन काल से घरों में माताएं–बहनें ही पशुओं की सेवा करती आई हैं। इसलिए वह यकीन करती हैं कि महिलाएं पशु रोगों के निदान में ज्यादा कारगर साबित हो सकती हैं। जब आप लोगों ने पशु सेवा का यह जरिया चुन लिया है तो सभी के कल्याण के लिए काम कीजिए। प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि वैज्ञानिक व चिकित्सकों को चाहिए कि वह गांवों में जाकर धरातल पर पशुओं से संबंधित रोगों के निदान पर काम करें। गांव में किसान व महिलाएं आपको इस बारे में ज्यादा बेहतर तरीके से बताएंगे, तभी आप अच्छा उपचार कर सकेंगे। यह भी कहा कि आप लोग पशु चिकित्सा व शोध के लिए सरकार से आर्थिक मदद ले सकते हैं, ऐसा करके आप कृषि व पशु संरक्षण को बेहतर काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों को मेडल नहीं मिला है, वह निराश न हों और इसके लिए अभी से ज्यादा मेहनत करें। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीक्षांत समारोह में मौजूद छात्र–छात्राओं से कहा कि पशुओं की मूक आवाज और समस्या आप लोग ज्यादा बेहतर तरीके से समझ सकते हैं। आपके उपचार करने से पशुओं को नया जीवन मिलेगा। इस संस्थान के शिक्षकों की वर्षों की साधना के प्रतिफल के रूप में आप लोगों को यह डिग्री मिली है। अपेक्षा है कि अपने ज्ञान से पशु बीमारियों का निदान, टीकाकरण आदि पर जोर दें। उन्होंने कोरोना के दौर में आईवीआरआई की महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि पशु चिकित्सा से इतर मानव जीवन बचाने को दो लाख से ज्यादा परीक्षण इस संस्थान ने किए। लंपी के दूसरे चरण में जब गोवंश चपेट में आने लगे तो भी आईवीआरआई ने उल्लेखनीय कार्य किया। राष्ट्रपति करीब साढ़े दस बजे वायु सेना के विशेष वायुयान से बरेली पहुंचीं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह उनके साथ ही आए थे। हवाई अड्डे पर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत अन्य अतिथियों ने उनका स्वागत किया।

सीएम योगी ने आईवीआरआई के शोधकर्ताओं की सराहना की

बरेली (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को बरेली स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के 11वें दीक्षांत समारोह में शोध ाकर्ताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि संस्थान की 136 वर्षों की साधना पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। आप जैसे वैज्ञानिक मूक पशुओं की आवाज बनते हैं। आप सभी का शोध और सेवा समाज को एक नई दिशा देता है। कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने मेधावियों को पदक और उपाधियां वितरित कीं। मुख्यमंत्री ने बरेली को भारत की पौराणिक और आध्यात्मिक नगरी बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र प्राचीनकाल में पांचाल देश के रूप में विख्यात था। यहां सात प्राचीन नाथ मंदिर हैं, जिन्हें 'नाथ कॉरिडोर' के रूप में विकसित किया जा रहा है। बाबा अलखनाथ, वनखंडीनाथ, त्रिवटीनाथ, तपेश्वरनाथ, मढ़ीनाथ, धोपेश्वरनाथ और श्री पशुपातिनाथ मंदिर बरेली की पहचान हैं। उन्होंने कहा कि जहां मंदिरों की शृंखला बरेली को आध्यात्मिक पहचान देती है, वहीं आईवीआरआई ने इसे आध ुनिक वैज्ञानिक पहचान प्रदान की है। सीएम योगी ने कहा कि आईवीआरआई न केवल पशुधन बल्कि हर जीव–जंतु के लिए जीवन रक्षक सेवा का केंद्र बना है। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान जब जांच एक चुनौती बनी हुई थी, तब आईवीआरआई ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर दो लाख से अधिक कोविड जांच करवाईं। सीएम योगी ने कहा कि आईवीआरआई की प्रतिबद्धता यह दिखाता है कि इसकी भूमिका केवल पशु चिकित्सा तक सीमित नहीं, बल्कि वह मानव जीवन रक्षा में भी अग्रणी रही है। सीएम योगी ने कहा कि लंपी स्किन डिजीज की दूसरी लहर के दौरान जब गोवंश बुरी तरह प्रभावित हुआ, तब आईवीआरआई द्वारा विकसित टीके ने उत्तर प्रदेश को संक्रमण से मुक्त कराने में अहम भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने वैज्ञानिकों को उनके मूक प्राणियों की सेवा के लिए ध न्यवाद दिया और कहा कि उनकी खोजों ने किसानों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। पशुध न की उन्नत नस्ल देकर अन्नदाता को सशक्त किया है। आईवीआरआई की 136 वर्षों की यह साधना पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि आज का दिन आपके जीवन का एक नया अध्याय है। यह केवल डिग्री नहीं, बल्कि समाज को आपकी सेवा समर्पित करने की शपथ है। आपकी यह यात्रा राष्ट्र के भविष्य निर्माण में निर्णायक होगी। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों में कौन कैसे खड़ा होता है, यही उसकी पहचान तय करता है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की कविता सुनाते हुए कहा कि आदमी को चाहिए, वह जूझे।

शुद्ध रूप से फ्रस्ट्रेट हो गए हैं अखिलेश यादव, हिंदुओं को लड़ाकर छक रहे हैं भंडारा : महंत राजू दास

लखनऊ (एजेन्सी) उत्तर प्रदेश के इटावा प्रकरण के बीच समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव का विवादास्पद बयान आया है। उन्होंने कथावाचक धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री (बागेश्वर धाम) को निशाना बनाते हुए कथा कहने के एवज में पैसे लेने को लेकर निंदनीय टिप्पणी की है। इसी कड़ी में अयोध्या हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने कहा कि अखिलेश यादव पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अखिलेश को यह दिक्कत नहीं है कि कथा कहने वह उनके घर पर नहीं आ पा रहे हैं, बल्कि दिक्कत ये है कि वह हिंदुओं को एक कर रहे हैं। उन्होंने हिंदुओं को आपस में लड़ाने का कार्य किया है वह घृणित है। वे खुद को यादवों और पंडितों को आपस में लड़ाकर दंगे कराने का प्रयास कर रहे हैं और खुद एक पंडित जी के घर जाकर भंडारा छक रहे थे। दूसरी ओर, बागेश्वर सरकार के ऊपर टिप्पणी करके उन्होंने एक प्रकार से टारगेट किया है। उन्होंने बागेश्वर सरकार को इसलिए टार्गेट किया क्योंकि वह हिंदुत्व पर काम करते हैं। वह सनातन पर कार्य करते हैं और छूआ–छूत व भेदभाव को कम करके हिंदुओं को एक करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं और प्रयास करते हैं। इसी से अखिलेश यादव को दिक्कत है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी टिप्पणी की थी जो अशोभनीय है। ऐसे शब्दों व टिप्पणियों का प्रयोग करना साफतौर पर हिन्दु ध र्मगुरुओं के प्रति उनके फ्रस्ट्रेशन को दर्शाता है। अखिलेश यादव के बयान की न केवल संयुक्त स्वर में संत समाज ने निंदा की, बल्कि अखिलेश को चेतवनी और नसीहत भी दे दी। संतों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अखिलेश यादव के सनातन विरोधी चेहरे को उजागर किया। संतों–ध र्माचार्यों ने यह भी माना कि अखिलेश बंटवारे की जिस राजनीति को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं उसे न केवल यादव समाज बल्कि पूरा सनानत ही अस्वीकार करता है और उनके बयानों की कठोर निंदा की जानी चाहिए। मथुरा में धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने अखिलेश यादव की टिप्पणी पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि उनके डीएनए में ही सनातन का विरोध है। उन्होंने कहा कि न केवल अखिलेश बल्कि उनके पिता भी जीवनभर सनातन के विरोध की राजनीति करते रहे। इटावा प्रकरण को लेकर उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को कथावाचक संग हुए व्यवहार से कोई लेना–देना नहीं है बल्कि उनकी रूचि केवल जाति में है। अखिलेश ने सोचा कि जाति के बहाने पीडीए वाली राजनीति को आगे बढ़ाया जा सकता है और इसी कारण इन्होंने धीरेन्द्र शास्त्री को लेकर भी निन्दनीय बयान दिया। उन्होंने कहा कि ये क्या जानते हैं धीरेन्द्र शास्त्री के बारे में, वह इतना बड़ा हॉस्पिटल बनाने जा रहे हैं जनता की सुविधा के लिए। हजारों लोगों को उनके द्वारा निशुल्क भोजन कराया जाता है और वे अपनी मनोकामनाएं भी लेकर आते हैं जो बागेश्वर धाम में निशुल्क पूरी होती है।

उन्होंने कहा कि हमारे सभी संत सनातन के हित में कार्य कर रहे हैं। सनातन की एकता की बात करने वाला हर कोई इनको चुभता है और यही कारण है कि किसी भी स्तर पर जाकर ये उनके खिलाफ बोलेंगे। उन्होंने कहा कि अखिलेश तो पहले भी सनातनी पीठाधीश्वरों को माफिया बता चुके हैं और उनके बयानों की धर्म रक्षा संघ द्वारा घोर निंदा की जाती है। उन्होंने आगाह किया कि अखिलेश की राजनीति को यादव समाज भी समझ रहा है और झांसे में आने वाला नहीं है। आज जिस तरह सनातन की एकता और हिंदू राष्ट्र बनाने की बात हो रही है इसी से अखिलेश यादव को दिक्कत है और वह अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं। संत समाज ने एक स्वर में अखिलेश की मंशा व कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि अखिलेश ने कभी अन्य मजहब के धर्मगुरुओं पर कभी टिप्पणी नहीं की, सिर्फ सनातनी धर्मगुरुओं को ही वह अपनी टिप्पणियों का निशाना बनाते हैं। संत समाज ने कहा कि अखिलेश यादव को जातिवादी राजनीति छोड़ देनी चाहिए। महामंडलेश्वर रामदास महाराज ने कहा कि कथा व्यास किसी से भी किसी प्रकार की जोर–जबर्दस्ती नहीं करते। अखिलेश को चाहिए कि गौरक्षा करने वाले सनातनी कथावचकों का पक्ष लें, उल्टा उनकी कार्यप्रणाली विध ार्मियों को प्रसन्न करने वाली है। हिंदूवादी नेता जमुना देवी ने कहा कि दान–दक्षिणा देना यजमान का दायित्व है और दान–दक्षिणा स्वीकार करना ब्राह्मणों का दायित्व है। इसमें भला किसी तीसरे व्यक्ति की राय के मायने ही क्या हैं। वहीं, आचार्य सत्यमित्रानंद ने कहा कि सनातनी दान–दक्षिणा को भी राष्ट्र के कल्याण में ही लगाता है मगर कुंठित मानसिकता के लोगों को यह रास नहीं आता है।

तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री में धमाका, १२ मजदूरों की मौत और ३४ जख्मी

संगारेड्डी (एजेन्सी) तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सोमवार सुबह दवा बनाने वाली फैक्ट्री की रिएक्टर यूनिट में विस्फोट हो गया। घटना में 12 मजदूरों की मौत हो गई, 34 लोग जख्मी हैं। हादसा पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह 8:15 बजे से 9. 30 बजे के बीच हुआ। राज्य के श्रम मंत्री जी विवेक वेंकटस्वामी ने कहा अबतक 4 शव बरामद हुए हैं। हमें उम्मीद है कि अब और कोई मौत नहीं होगी। आईजी वी सत्यनारायण ने बताया कि घटना के दौरान फैक्ट्री में 150 लोग थे, जहां ब्लास्ट हुआ वहां 90 लोग मौजूद थे। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ, डीआरएफ, एसडीआरएफ की टीमों के साथ ही फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियां मौजूद हैं। ब्लास्ट के कारणों का पता लगाया जा रहा है। रिएक्टर में तेजी से केमिकल रिएक्शन होने से ब्लास्ट की संभावना जताई गई है। इधर, पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट के जरिए ब्लास्ट की घटना पर दुख जताया। पीएम नेशनल रिलीफ फंड से मृतकों के परिजन को 2 लाख और घायलों को 50 हजार की मदद की घोषणा की। एक मजदूर ने बताया कि मैं सुबह 7 बजे नाइट शिफ्ट पूरी करके बाहर निकला था। सुबह की शिफ्ट का स्टाफ अंदर आ चुका था। ध ामाका करीब करीब 8 बजे हुआ। शिफ्ट में मोबाइल जमा हो जाता है, इस वजह अंदर काम कर रहे लोगों की कोई खबर नहीं मिल पाई। एक मजदूर की महिला परिजन ने बताया कि उनके परिवार के चार लोग फैक्ट्री में काम करते हैं। इनमें उनका बेटा, दामाद, जेठ और देवर शामिल हैं। इनमें से तीन सुबह की शिफ्ट में थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक धमाका इतना तेज था कि वहां काम कर रहे मजदूर करीब 100 मीटर दूर जाकर गिरे। विस्फोट की वजह से रिएक्टर यूनिट तबाह हो गई है। कंपनी के एक कर्मचारी ने बताया कि अधि कतर मजदूर मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। एक शिफ्ट में 60 से ज्यादा मजदूर और 40 अन्य लोगों का स्टाफ काम करता है। सिगाची इंडस्ट्रीज फार्मास्यूटिकल पाउडर बनाती है। यह साल 1989 से माइक्रोक्रिस्टलाइन सेलुलोज (एमसीसी) बना रही है। यह सफेद रंग का पाउडर होता है। इसमें कोई गंध या स्वाद नहीं होता है।एमसीसी का उपयोग दवा और कॉस्मेटिक इंडस्ट्री में किया जाता है। सिगाची इंडस्ट्रीज की हैदराबाद समेत पूरे देश में पांच फैक्ट्रियां हैं। कंपनी के प्रोडक्ट 65 से ज्यादा देशों में एक्सपोर्ट किए जाते हैं।

सिगाची फार्मा कंपनी में विस्फोट, 12 की मौत, पीएम मोदी ने किया आर्थिक मदद का एलान

तेलंगाना (एजेन्सी)। तेलंगाना के संगारेड्डी में सोमवार को एक फार्मा प्लांट में हुए संदिग्ध विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई। हादसे में करीब 34 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि पशम्यलारम औद्योगिक एस्टेट में सिगाची फार्मा कंपनी में जहां विस्फोट हुआ, वहां कई श्रमिकों के फंसे होने की आशंका है। उन्हें बचाने के प्रयास जारी हैं। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया,हादसे में 12 लोगों की मौत हुई है, जबकि 34 लोग घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है और उनका इलाज जारी है। उनकी हालत के बारे में तत्काल पता नहीं चल पाया है, क्योंकि बचाव अभियान अभी भी जारी है। आग बुझाने के लिए दमकल गाड़ियों को लगाया गया। मल्टी जोन II के महानिरीक्षक वी सत्यनारायण ने बताया कि पशम्यलारम में रासायनिक उत्पादन फैक्ट्री सिगाची फार्मा में विस्फोट हुआ। यह घटना सुबह 8रू15 से 9:35 बजे के बीच हुई। घटना में कुल 12 लोगों की मौत हो चुकी है। 34 अन्य घायल हैं। छह शव बरामद किए गए हैं। चंदा नगर में इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हो गई।

हम 20 मिनट में ही घटनास्थल पर पहुंच गए थे। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और अन्य बचाव दल 10 दमकल गाड़ियों के साथ घटनास्थल पर हैं। आग पर काबू पाने के प्रयास जारी हैं। बचाव अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना में लोगों की मौत पर जताया। उन्होंने कहा, घटना से दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

जानवर 'जीवन धन हैं, 'पशु शब्द का इस्तेमाल करना ठीक नहीं : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

बरेली (एजेन्सी) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि जानवरों के लिये 'पशु शब्द का इस्तेमाल करना 'ठीक नहीं हैश। मुर्मू ने जानवरों को 'जीवन धन करार दिया। राष्ट्रपति ने भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के 11वें दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा, "जानवरों के बिना किसान आगे नहीं बढ़ सकता, इसलिए 'पशु शब्द ठीक नहीं लगता। उनके बिना हम जिंदगी सोच नहीं सकते।" उन्होंने कहा, "हमारी संस्कृति जीव–जंतुओं में ईश्वर की उपस्थिति को देखती है। राष्ट्रपति ने कहा, पशुओं से हमारे देवताओं और ऋषि–मुनियों का संवाद होता है। यह मान्यता भी इस सोच पर आधारित है। भगवान के कई अवतार भी इसी विशिष्ट श्रेणी में हैं।" मुर्मू ने जैव विविधता के महत्व को दर्शाते हुए कहा कि आईवीआरआई जैसी संस्थाओं से अपील है कि वे जैव विविधता को बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाएं और आदर्श प्रस्तुत करें। उन्होंने अपने बचपन की किस्सों का उदाहरण देते हुए कहा, ''हम जब छोटे थे तब बहुत सारे गिद्ध थे, लेकिन आज गिद्ध लुप्त हो गए हैं। मुझे लगता है कि गिद्ध के विलुप्त होने के पीछे पशु चिकित्सा में इस्तेमाल होने वालीं रासायनिक दवाओं की भूमिका है। बहुत सारे कारणों में यह भी एक कारण है। ऐसी दवाओं पर प्रतिबंध लगाना गिद्धों के संरक्षण की दिशा में सराहनीय कदम है। राष्ट्रपति मुर्मू ने दवाओं पर प्रतिबंध लगाने के लिए वैज्ञानिकों के प्रति आभार जताया और कहा, ''कई प्रजातियां विलुप्त हो रहीं हैं या विलुप्त होने की कगार पर हैं। इन प्रजातियों का संरक्षण पर्यावरण संतुलन के लिए बहुत ही आवश्यक है। आईवीआरआई जैसे संस्थाओं से अपील है कि वे जैव विविधता को बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाएं और आदर्श प्रस्तुत करें। मुर्मू ने समारोह में मौजूद विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, ''आज पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में छात्राओं की बड़ी संख्या देखकर काफी गर्व महसूस कर रही हूं। बेटियां अन्य क्षेत्रों की तरफ पशु चिकित्सा क्षेत्र में भी आगे आ रही हैं, यह बहुत ही शुभ संकेत है। मुर्मू ने महिलाओं से आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि गांवों में पशुओं, गायों की सेवा मां–बहनें करती थीं, क्योंकि माता–बहनों से उनका जुड़ाव है।

मराठी के ऊपर हिंदी थोपे जाने की कोशिशें बर्दाश्त नहीं की जाएगी : राज ठाकरे

मुंबई (एजेन्सी) महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने सोमवार को कहा कि हिंदी व्यापक रूप से बोली जाती है, लेकिन यह अन्य राज्यों पर थोपी जाने वाली राष्ट्रीय भाषा नहीं है तथा इसे प्राचीन भाषा मराठी से ऊपर रखने का प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मनसे और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) स्कूलों में प्राथमिक कक्षाओं के लिए तीसरी भाषा के रूप में ''हिंदी को थोपनेश्श का विरोध करने में सबसे आगे रही हैं। महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से पांचवी कक्षा तक हिंदी भाषा को शामिल करने के खिलाफ बढ़ते विरोध के बीच रविवार को राज्य सरकार ने 'त्रि–भाषा नीति पर सरकारी आदेश को रद्द कर दिया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सरकारी आदेश को वापस ले लिया गया है और उन्होंने भाषा नीति के कार्यान्वयन और आगे की राह सुझाने के लिए शिक्षाविद् नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति के गठन की भी घोषणा की। राज ठाकरे ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''लोग 150 से 200 साल पुरानी हिंदी भाषा को उस मराठी से बेहतर दिखाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसका इतिहास 3,000 साल से भी ज्यादा पुराना है। यह अस्वीकार्य है और मैं यह होने नहीं दूंगा। उन्होंने ऐसी भाषाई विविधता वाले देश में हिंदी को राष्ट्रीय भाषा के रूप में प्रचारित करने की वैधता पर सवाल उठाया। मनसे प्रमुख ने कहा, ''हिंदी राष्ट्रभाषा नहीं है जिसे दूसरे राज्यों पर थोपा जाए। इस तरह की जबरदस्ती ठीक नहीं है।

सम्पादकीय

आतंक के विरुद्ध भारत की दृढ़ता, नहीं कर सकते आतंकी हमलों की अनदेखी

चीन के किंगदाओ शहर में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन–एससीओ के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों का सम्मेलन आतंक के खिलाफ भारत की दृढ़ता के लिए याद किया जाएगा। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एससीओ के उस संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से इन्कार कर दिया जिसमें पहलगाम आतंकी हमले का उल्लेख तो नहीं था, उलटे बलूचिस्तान का संदर्भ जोड़ दिया गया था। भारत का यह रुख पहलगाम आतंकी हमले के बाद से कायम उसके रवैये के अनुरूप ही है कि आतंक के साथ अब कोई समझौता नहीं किया जाएगा और अगर भारत किसी मंच पर इसे लेकर अलग–थलग भी पड़ जाए तो उसे उसकी कोई परवाह नहीं। इससे पहले आपरेशन सिंदूर के बाद भी विभिन्न देशों में भेजे गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों के माध्यम से भी भारत ने वैश्विक समुदाय को पाकिस्तान के आतंकी चेहरे को बेनकाब करने का जोरदार अभियान चलाया था। एससीओ के मंच पर भी भारत ने उसी नीति की निरंतरता को प्रदर्शित किया। मूल रूप से चीन के वर्चस्व वाले एससीओ का भारत काफी समय बाद सदस्य बना है। पाकिस्तान भी इसका सदस्य है। इस समूह के प्रमुख उद्देश्यों में से एक यह भी है कि आतंकवाद और चरमपंथ के खिलाफ यह क्षेत्रीय सहयोग के लिए आधार तैयार करने की भूमिका निभाएगा, लेकिन इसकी कार्यप्रणाली उसके चरित्र से मेल नहीं खाती। समय के साथ इस संगठन में चीन का वर्चस्व और बढ़ता गया है। इसका एक कारण बदले हुए वैश्विक समीकरणों में रूस पर लगे तमाम प्रतिबंध भी हैं, जिनके चलते मास्को की बीजिंग पर निर्भरता बढ़ी है। अन्यथा रूस भी इस समूह में एक संतुलक की भूमिका निभाता रहा है। बढ़ते दबदबे का लाभ चीन अपने निहित स्वार्थों को साधने में कर रहा है। पाकिस्तान का पुरजोर समर्थन इसकी पुष्टि करता है। यह किसी से छिपा नहीं है कि आतंकवाद को लेकर चीन कई मौकों पर पाकिस्तान के लिए ढाल बना है और ऐसा ही एक प्रयास उसने एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में भी किया। यह इससे स्पष्ट झलकता है कि पहलगाम के जिस आतंकी हमले की दुनिया भर में कड़ी भर्त्सना हुई उसका उल्लेख तक एससीओ दस्तावेज में नहीं किया गया। उलटे उसमें बलूचिस्तान का प्रसंग जोड़ा गया जहां पाकिस्तानी सेना द्वारा स्थानीय लोगों का बर्बरता से किया जा रहा दमन मानवीय उत्पीड़न के नए रिकार्ड बना रहा है। पहलगाम का संदर्भ हटाकर और बलूचिस्तान का मुद्दा जोड़ने की यह कवायद भारत को असहज करने के लिए ही की गई और ऐसी स्थिति में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दस्तावेज पर हस्ताक्षर से किनारा करके बिल्कुल सही किया। असहमति के इस संदेश की गूंज दुनिया भर में सुनी जाएगी। चीन और पाकिस्तान को लेकर अक्सर कहा जाता है कि भारत को दो मोर्चों पर लड़ाई के लिए अपनी तैयारी करनी होगी, लेकिन देखा जाए तो यह दोहरा नहीं, बल्कि एक ही मोर्चा है। हम चीन और पाकिस्तान को अलग करके नहीं देख सकते। चीन का पाकिस्तान प्रेम इस कदर बढ़ चुका है कि उसके लिए वह कोई भी कदम उठाने को तैयार दिखता है। एससीओ के हालिया सम्मेलन की ही बात करें तो किसी भी संगठन में चेयर या प्रमुख की भूमिका वाले देश का एक दायित्व यह भी होता है कि वह समूह के समक्ष आए एजेंडे पर सहमति बनाए। यदि सहमति न भी बना पाए तो ऐसा करने के लिए प्रयासरत तो दिखना चाहिए, लेकिन रक्षा मंत्रियों की बैठक से जुड़े संयुक्त बयान के मामले में चीन ने ऐसी कोई कोशिश तक नहीं की। दोनों देशों की यह मिलीभगत वह दुरभिसंधि दर्शाती है, जिसका भारत को समय रहते कोई तोड़ खोजना होगा। पाकिस्तान के साथ निपटना भारत के लिए कोई बड़ी बात नहीं, लेकिन उसे मिलता चीन का साथ इस चुनौती को और विकराल बनाता जाएगा। भारत और चीन के संबंधों में लंबे समय से तल्खी हावी रही है। पिछले साल अक्टूबर में दोनों देशों के बीच वार्ता से संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में कुछ सहमति बनी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक टैरिफ नीति ने भी दोनों देशों को परस्पर हितों की पूर्ति के लिए साथ आने के लिए कुछ हद तक प्रेरित किया है। परिणामस्वरूप संबंधों में कुछ सहजता का भाव बनता दिखा है। कैलास–मानसरोवर यात्रा भी पांच साल बाद फिर से आरंभ हुई है। इस सबके बावजूद इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि पाकिस्तान का पहलू चीन के साथ संबंधों में सदैव एक रोड़ा बना रहेगा। चीन अपने हितों की पूर्ति के लिए भारत को भाव तो देना चाहता है, लेकिन पाकिस्तान की कीमत पर नहीं।

जस्टिस यशवंत वर्मा हाजिर हों!

वारेन हेस्टिंग्स के खिलाफ महाभियोग (1788–1795) की बहस में सांसद और वकील एडमंड बर्क ने कहा था– सत्य, न्याय और इंसाफ के लिए कानून के मार्ग पर जो राष्ट्र चलता है, वही महान है। बेहद गंभीर आरोपों और पर्याप्त साक्ष्यों के बावजूद ब्रिटिश संसद ने हेस्टिंग्स को बेकसूर माना और कंपनी ने उन्हें 4,000 पौंड सालाना पेंशन भी दी। शायद सत्ता अपने लाडले सपूतों के बचाव में ऐसे ही न्याय के नाटक–नौटंकी करती रही है। 14 मार्च, 2025 को दिल्ली के एक बंगले के स्टोर रूम में आधी रात आग लगने से धुंआ उठने लगा। आग में जलते नोटों के ताप से कांच की बोतलें टूटने और शराब बहने से आग और भड़क उठी। आग में शराब ने घी से भी अधिक खतरनाक काम किया। बंगला दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को आवंटित था। दमकल, पुलिस आई, आग बुझाई, वीडियो बनाई और जले–अधजले या बचे करोड़ों रुपये और शराब की बोतलों को यूं का यूं छोड़ चली गई। कोई पंचनामा (एफआइआर) या बरामदगी नहीं की गई। घटना के समय जस्टिस वर्मा और उनकी पत्नी भोपाल में थे। अगले दिन आए तो घटनास्थल पर शेष–अशेष कुछ न था। विश्वासपात्र सचिव और अन्य सेवकों ने सब साफ–सफाई कर दी। मीडिया में हफ्ते भर तक कोई खबर नहीं। कैश कांड की जानकारी गोपनीयता और संवेदनशीलता के घूंघट में उच्चाधिकारियों, न्यायाधीशों के बीच घूमती रही। अदालत के गलियारों में धुंआ, धूल और धुंध...खामोशी का षड्यंत्र गहराता रहा, अटकलों का बाजार गर्माता गया। कुछ पत्रकारों ने पर्दा हटाना शुरू किया तो पहले जज साहब को न्यायिक कार्य न करने के निर्देश और फिर इलाहाबाद वापस जाने के आदेश जारी हुए। कैश कांड की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई। समिति की रिपोर्ट आने के बाद सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने जस्टिस यशवंत वर्मा पर महाभियोग चलाने की सिफारिश करके गेंद संसद के पाले में लुढ़का दी और खुद सेवानिवृत्त हो गए।

न्यायपालिका की प्रतिष्ठा बचाने के लिए अधिकांश दस्तावेज (जांच रिपोर्ट के अलावा) सार्वजनिक करने पड़े। न जाने कैसे जांच रिपोर्ट बाद में लीक हो गई। जांच समिति में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, हिमाचल हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और कर्नाटक हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अनु शिवरमन शामिल थे। फिलहाल महाभियोग की पेचीदा प्रक्रिया चलाने या न चलाने के मुद्दे पर वाद–विवाद, सहमति–असहमति की राजनीति के इर्द–गिर्द ही वरिष्ठ वकीलों द्वारा सार्वजनिक रूप से कानूनी तर्क–वितर्क रचे जा रहे हैं। कानून मंत्री सभी दलों के बीच आम सहमति बनाने में प्रयासरत हैं। एक ओर न्यायपालिका में आमजन की आस्था बचाए रखने के लिए और संसद को इस मामले पर बहस करने, वोट देने और अभियोग सिद्ध करने की दुरूसाध्य जटिलता से बचाने के लिए यह सलाह दी जा रही कि जस्टिस वर्मा इस्तीफा दे दें, ताकि न्यायपालिका और संसद का धर्मसंकट से बचाव हो सके। दूसरी ओर उपलब्ध तथ्यों पर गंभीर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। सांसदों में वकील और वकीलों में सांसद के रूप में जाने–पहचाने चेहरे रोज नया रास्ता तलाश–तराश रहे हैं। कुछ विद्वानों का तो यहां तक कहना है कि यह भ्रष्टाचार का मामला ही नहीं, पर यथार्थ यह भी है कि न्याय मंदिरों के विशाल प्रांगण में भी भ्रष्टाचार के विष–वृक्ष अप्रत्याशित रूप से फलते–फूलते रहे हैं। यौन शोषण से लेकर आर्थिक धांधली तक के आरोपों में अकसर लीपापोती होती रही और अधिक हुआ तो न्यायाधीशों से इस्तीफा लेकर बाइज्जत मुक्त कर दिया गया।

संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते राहुल गांधी

डॉ. आशीष वशिष्ठ

ताजा संदर्भ राहुल गांधी ने 'मैच–फिक्सिंग महाराष्ट्र' शीर्षक से 7 जून को एक लेख लिखा। ये कई अखबारों में छपा। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं और भाजपा ने सुनियोजित तरीके से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया। यह कोई पहला ऐसा मौका नहीं है जब राहुल गांधी ने संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठया हो या फिर उन्हें कटघरे में खड़ा करने का काम किया हो। वो आदतन अक्सर ऐसा करते रहते हैं । भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को स्वतंत्र और स्वायत्त संस्था के रूप में स्थापित करता है जिसे संसद, राष्ट्रपति, विधानसभा और सभी निर्वाचित निकायों के चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से संपन्न कराने का दायित्व दिया गया है। यह संस्था न तो कार्यपालिका के अधीन है और न ही किसी राजनीतिक दबाव में काम करती है।

नवंबर 2024 में महाराष्ट्र चुनाव में करारी पराजय के बाद कांग्रेस और उसके कुछ सहयोगी दलों ने चीखना शुरू कर दिया था– श्ईवीएम में भूत है, जो भाजपा को ही वोट भेजता है।' अप्रैल 2025 को विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने अमेरिका दौरे के दौरान बोस्टन में एक मीटिंग को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र चुनाव का हवाला देते हुए, चुनाव पर बड़े सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में चुनाव आयोग श्कंप्रोमाइज्डश है। ताजा संदर्भ राहुल गांधी ने 'मैच–फिक्सिंग महाराष्ट्र' शीर्षक से 7 जून को एक लेख लिखा। ये कई अखबारों में छपा। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं और भाजपा ने सुनियोजित तरीके से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया। यह कोई पहला ऐसा मौका नहीं है जब राहुल गांधी ने संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठया हो या फिर उन्हें कटघरे में खड़ा करने का काम किया हो। वो आदतन अक्सर ऐसा करते रहते हैं । भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को स्वतंत्र और स्वायत्त संस्था के रूप में स्थापित करता है जिसे संसद, राष्ट्रपति, विधानसभा और सभी निर्वाचित निकायों के चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से संपन्न कराने का दायित्व दिया गया है। यह संस्था न तो कार्यपालिका के अधीन है और न ही किसी राजनीतिक दबाव में काम करती है। भारतीय निर्वाचन आयोग केवल एक प्रशासनिक निकाय नहीं बल्कि विवाद–निराकरण और मतदाता–विश्वास निर्माण की भी जिम्मेदारी निभाता है। आयोग मतदान प्रक्रिया को विश्वसनीय बनाने के लिए कई स्तर पर काम करता है। राहुल गांधी सस्ती लोकप्रियता पाने के कुछ भी बयान देते हैं, पर तर्क और तथ्य की कमी होती है। इससे समाज में भ्रम फैलता है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है। विदेशी धरती पर जाकर वो देश का अपमान, मोदी सरकार की आलोचना और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठाने का कोई अवसर चूकते नहीं हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में कहा कि श्भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा (ब्रोकेन) हुआ था, अब यह लड़ रहा है।श उनका यह कहना लोकतंत्र की मूल भावना पर ही सवाल उठाता है। खासकर तब जब भारत में लगातार चुनाव होते रहे हैं और सरकारें बदलती रहीं हैं। बीते 10–11 वर्षों में देश में कई ऐसी सरकारें बनी हैं, जिसे बीजेपी को हराने के बाद कांग्रेस को मौका मिला है। मतलब, अगर नतीजे राहुल और उनकी पार्टी के लिए अच्छे रहें तो लोकतंत्र ठीक है और नहीं तो वह श्ब्रोकेन हो जाता है। सितंबर 2023 में राहुल गांधी ने ब्रसेल्स में यूरोपियन यूनियन में कहा कि भारत में श्फुल स्केल एसॉल्टश हो रहा है। उन्होंने भारतीय संस्थाओं की निष्पक्षता पर संदेह जताया। मई 2022 में लंदन में श्आइडियाज फॉर इंडियाश सम्मेलन में राहुल ने कहा कि भारत की संस्थाएं श्परजीवीश बन गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि श्डीप स्टेटश (सीबीआई, ईडी) भारत को चबा रहा है। यहां श्डीप स्टेटश का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। यहां श्डीप स्टेटश का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। राहुल गांधी ने भारत की तुलना पाकिस्तान जैसे अस्थिर लोकतंत्र से भी कर दी। 2017 में ही अमेरिका में राहुल गांधी ने कहा कि भारत अब वह नहीं रहा जहां हर कोई कुछ भी कह सकता है। उन्होंने विदेश की धरती पर भारत में श्फ्री स्पीचश की स्थिति पर संदेह पैदा करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि भारत में सहनशीलता खत्म हो गई है।

जबकि, हकीकत ये है कि राहुल गांधी संसद से लेकर बाहर तक जब जो जी में आता है, बयान देते रहे हैं और सरकार को छोड़ दें, शायद ही कोई संवैधानिक संस्था बची हो, जिस पर उन्होंने निशाना न साधा हो। राहुल गांधी यह क्यों भूल जाते हैं कि भारतीय चुनाव आयोग ने ही वे चुनाव संपन्न करवाए हैं, जिनके दम पर वह आज विपक्ष के नेता पद पर बैठे हुए हैं। उनके परिवार के तीन–तीन सदस्य इन्हीं चुनावी प्रक्रियाओं का सहारा लेकर संसद में मौजूद हैं। यहीं की संवैधानिक संस्थाओं ने उन्हें इतनी राहत दी हुई है कि नेशनल हेराल्ड केस में गंभीर आरोपों के बावजूद वो और उनका मां सोनिया गांधी को जमानत मिली हुई है। बीते कुछ वर्षों में राजनीतिक तौर पर भले ही भारत की चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाने का चलन बन गया हो लेकिन भारत के चुनाव आयोग की प्रशंसा केवल देश के भीतर ही नहीं संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय चुनाव पर्यवेक्षकों और कई विदेशी सरकारों द्वारा भी की गई है। हार्वर्ड कैनेडी स्कूल के 2020 के एक अध्ययन में भारत के चुनाव आयोग को 'वन ऑफ दी मोस्ट रोबस्ट इलेक्टोरल इंस्टीटूशन्स ग्लोबली' (विश्व स्तर पर सबसे मजबूत चुनावी संस्थाओं में से एक) कहा गया। यही नहीं, 2014, 2019 और 2024 के आम चुनावों में भारत ने पूरी दुनिया को दिखाया कि तकनीक, प्रशिक्षण और जनता की भागीदारी के माध्यम से एक निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संभव है। बीती मई को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने से चुनाव आयोग से मुलाकात कर चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता और स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को उठाया था। यह बातचीत निर्वाचन आयोग की उस नई पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राजनीतिक दलों की चिंताओं और सुझावों को सीधे तौर पर सुनकर चुनावी प्रक्रिया को अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाना है। चुनाव आयोग अब तक देशभर में कुल 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इन बैठकों में अब तक 28,000 से अधिक राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया है। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से लिखित में तथ्यों की मांग की और चर्चा के लिए भी आमंत्रित किया है और अब यह दायित्व बनता है कि आरोप लगाने वाले नेता उन्हें उचित प्रक्रिया के अनुसार प्रस्तुत करें। हालांकि राहुल गांधी के पूर्व रिकार्ड के हिसाब से ऐसा लग नहीं रहा है कि वो चुनाव आयोग के सामने जाएंगे। इसके लिए उन्होंने अभिषेक सिंघवी, विवेक तन्खा जैसे बड़े वकीलों और पार्टी के अन्य नेताओं को रखा हुआ है। राहुल गांधी का काम सिर्फ आरोप लगाना है। अगर एजेंसी आरोपों को जवाब देना चाहती है तो वह सुनना उनका काम नहीं है। कमोबेश ऐसा ही आचरण उनका संसद में भी है। असल में, राहुल गांधी आरोप लगाकर, सामने वाले का पक्ष या जवाब सुनने की बजाय कोई नया आरोप लगाने की तैयारी में जुट जाते हैं। तथ्य और तर्क से उनका कोई लेना देना नहीं रहता। तथ्य यह भी है कि नवंबर 2024 में विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस की ओर से इसी तरह के मुद्दे उठाए गए थे। आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को कांग्रेस पार्टी को एक विस्तृत जवाब दिया था, जिसकी प्रति चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इससे यह साफ जाहिर होता है कि राहुल गांधी इस अध्याय का पटाक्षेप नहीं चाहते हैं। उनकी पार्टी इस मामले को जिंदा रखना चाहती है ताकि आगे के चुनाव नतीजों को सुविधा को हिसाब से संदिग्ध बनाया जा सके। चुनाव आयोग ने बार–बार यह सिद्ध किया है कि वह किसी भी राजनीतिक दबाव, मीडिया उन्माद या सार्वजनिक सनसनी से परे केवल संविधान और मतदाता के प्रति जवाबदेह है। इसलिए आज जरूरत है कि हम आलोचना करें लेकिन तथ्यों पर करें। सवाल उठाएं लेकिन समाधान के साथ और सबसे अहम कि लोकतंत्र की मजबूती, सतत निगरानी और निष्पक्षता बरकरार रखने के लिए बनायी गयी संस्थाओं का सम्मान बनाए रखें, ताकि आमजन की लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं के प्रति आदर का भाव बना रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में चुनाव आयोग श्कंप्रोमाइज्डश है। ताजा संदर्भ राहुल गांधी ने 'मैच–फिक्सिंग महाराष्ट्र' शीर्षक से 7 जून को एक लेख लिखा। ये कई अखबारों में छपा। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं और भाजपा ने सुनियोजित तरीके से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया।

बीज पर काम करें, तो फल अपने आप आपको चौंका देंगे

नारायणा हेल्थ के चेयरमैन व कार्यकारी निदेशक डॉ. देवी प्रसाद शेट्टी ने काफी पहले एक कार्यक्रम में कहा था कि भारत पहला ऐसा देश बनने को तैयार है, जहां स्वास्थ्य देखभाल व पैसा अलग–अलग होगा और ये बदलाव अगले 5 से 10 वर्षों में ही हो जाएगा। इस दावे के समर्थन में डॉ. शेट्टी ने तीन बड़ी अर्थव्यवस्था–भारत, अमेरिका व चीन में मोतियाबिंद सर्जरी की तुलना की। उन्होंने कहा, 'अमेरिका में सालाना 35 लाख मोतियाबिंद सर्जरी होती हैं। आबादी के लिहाज से चीन को इसकी पांच गुना सर्जरी करनी चाहिए, पर वह सिर्फ 32 लाख ही करता है। जबकि भारत में 85 लाख सर्जरी सालाना होती हैं, जो अमेरिका, चीन और बहुत से यूरोपीय देशों को मिलाकर भी अधिक है। शेट्टी के अनुसार ये उन उद्यमी चिकित्सकों के कारण संभव हुआ, जिन्होंने स्वतंत्र क्लीनिक खोले। इससे सर्जरी का खर्च घटा। उन्होंने गर्व से कहा 'भारत अपने स्वास्थ्य देखभाल के ढांचे में बदलाव कर रहा है। जो हमने हासिल किया, वो कोई और देश नहीं कर सकता।' डॉ. शेट्टी ने पहले के एक इंटरव्यू में कहा था, 'निजी क्षेत्र में बहुत महंगी होती जा रही चिकित्सा शिक्षा के कारण हम आर्थिक तौर पर पिछड़े वर्गों में से बहुत से जादुई हाथ खोते जा रहे हैं।' उनका मतलब था कि भविष्य के ऐसे बहुत से प्रतिभावान डॉक्टर हैं, जो मेडिसिन में योगदान दे सकते हैं, पर महंगी पढ़ाई के कारण वे अवसर खो रहे हैं। डॉ. शेट्टी के वो दोनों कथन मुझे तब याद आए, जब मैंने हाल ही में सुना कि कैसे उत्तरप्रदेश के सर्वोदय स्कूल की 25 में से 12 छात्राओं ने नीट परीक्षा पास की है, जिसका परिणाम इसी सप्ताह जारी हुआ है। यहां उन छात्राओं की कहानी बताता हूं। प्रिंसी खेतिहर मजदूर की बेटी हैं, पूजा रंजन सोनभ्रद के किसान की बेटी हैं, वहीं कौशांबी की श्वेता, साइकिल का सीट कवर बेचने वाले परिवार में पली–बढ़ीं। उनका सपना सरकारी स्कूल से अधिक कुछ भी नहीं था और वे हॉस्पिटल बेड्स के बीच इधर–उधर भागती महिला डॉक्टर्स को दूर से देखकर सिर्फ अचरज करती थीं। एप्रन पहनकर गले में स्टेथोस्कोप लटकाए देखने की कल्पना मात्र से ही वह डर जाती थीं। पर अब ऐसा नहीं है। अपने स्कूल की नौ अन्य छात्राओं समेत इन तीनों ने इस वर्ष नीट परीक्षा पास कर ली है। यूपी के मिर्जापुर स्थित मरिहन में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सर्वोदय विद्यालय की 25 छात्राएं इस परीक्षा में शामिल हुई थीं, इनमें सभी अनुसूचित जाति, जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग से थीं और इनमें से आधी छात्राओं ने ये परीक्षा पास कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने ये सब कैसे किया? आर्थिक तौर पर पिछड़े वर्ग के छठी से बारहवीं के बच्चों के लिए हॉस्टल सुविधा के साथ संचालित होने वाले सर्वोदय स्कूल में छात्राओं को मुफ्त आवासीय कोचिंग मिली। नियमित स्कूल के अलावा ये छात्राएं खासतौर पर नीट के लिए कोचिंग में भी शामिल होती थीं। वहां नीट–जेईई के लिए दाखिला लेने वाली 39 छात्राओं में से 25 ने परीक्षा दी और 12 उतीर्ण हुईं। इस सफलता से प्रेरित होकर समाज कल्याण विभाग के 'सेंटर फॉर एक्सीलेंस' को पूरे यूपी के अन्य सर्वोदय विद्यालयों में भी शुरू किया जा रहा है, यूपी में ऐसे स्कूलों की संख्या लगभग 100 है। मैं जयपुर के शेपिंग फ्यूचर नाम के एक संगठन के बारे में जानता हूं, जो आर्थिक तौर पर कमजोर ऐसे सैकड़ों बच्चों की सहायता करता है, बशर्ते वो बच्चे मेधावी हों और भविष्य के भारत की जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेने की योग्यता रखते हों। इन युवा मेधावी दिमागों को जो चाहिए, वह है सीखने की तकनीक में जरा सा प्रोत्साहन और थोड़ी सी वित्तीय सहायता। और फिर, जैसा कि डॉ. शेट्टी ने कहा, भारत को विभिन्न क्षेत्रों में दुनिया के किसी भी देश को मात देने से कोई नहीं रोक सकता। यहां तक कि हम जैसे लोग भी अपने आसपास ऐसे प्रतिभाशाली दिमागों को पहचान सकते हैं। फंडा यह है कि यदि हम बीजों पर काम करें, मेरा मतलब कि आर्थिक रूप से सबसे धनिचले पायदान पर बैठे गरीब बच्चों पर, तो उनमें से उपजाऊ बीज रूपी बच्चे प्रकाश की ओर बढ़ेंगे और संबंधित क्षेत्र में मिसाल कायम करेंगे।' उनका मतलब था कि भविष्य के ऐसे बहुत से प्रतिभावान डॉक्टर हैं, जो मेडिसिन में योगदान दे सकते हैं, पर महंगी पढ़ाई के कारण वे अवसर खो रहे हैं। डॉ. शेट्टी के वो दोनों कथन मुझे तब याद आए, जब मैंने हाल ही में सुना कि कैसे उत्तरप्रदेश के सर्वोदय स्कूल की 25 में से 12 छात्राओं ने नीट परीक्षा पास की है,।

बाढजनित हादसों में कब तक होती रहेगी जन-धन की हानि

1970 से 2021 तक का डेटा दिखाता है कि समय के साथ प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले आर्थिक नुकसान में लगातार बढ़ोतरी हुई है। कुछ वर्षों में नुकसान की मात्रा में बड़ी छलांग देखी गई, जो विनाशकारी घटनाओं, जैसे कि बड़े चक्रवातों, बाढ़, या सूखे के कारण हुई। वर्ष 2023 में, भारत को प्राकृतिक आपदाओं से 12 अरब अमेरिकी डॉलर (एक लाख करोड़ रुपये से अधिक) का नुकसान हुआ। यह 2013–2022 के औसत 8 अरब डॉलर से काफी ज्यादा था। स्विस रे की रिपोर्ट के अनुसार, ये बड़े नुकसान उन क्षेत्रों में हुए जहां संपत्तियों और आर्थिक गतिविधियों की संख्या ज्यादा है। स्विस रे एक प्रमुख पुनर्बीमा कंपनी है, जो विभिन्न प्रकार की रिपोर्ट और अध्ययन प्रकाशित करती है। जून 2023 में, चक्रवात बिपरजॉय ने गुजरात के कच्छ जिले में भारी नुकसान पहुंचाया। इसके कारण सौराष्ट्र और कच्छ के सभी बंदरगाह, जैसे कांडला और मुंदरा बंदरगाह, बंद हो गए।

योगेन्द्र योगी

देश में सरकारी मशीनरी की तंद्रा तब भंग होती है, जब कोई बड़ा हादसा हो जाए। दूसरे शब्दों में कहें तो सरकारी तंत्र जागने के लिए बड़े हादसे की इंतजार में रहता है। पहले हुए हादसों से सबक सीखने की जरूरत महसूस नहीं की जाती। इसकी प्रमुख वजह है जिम्मेदारी का अभाव। यदि यह जिम्मेदारी तय कर दी जाए कि किसी तरह के हादसे के जिम्मेदारी संबंधित विभागों के अफसरों की होगी और हादसा होने की सूरत में उन्हें सख्त सजा मिलेगी, तभी हादसों पर लगाम लगाई जा सकती है। अभी मानसून की शुरुआत है। हर साल मानूसन के दौरान देश में बाढ़ जनित हादसों में सैकड़ों लोगों की मौत होती है। भारी बारिश से देश को अरबों रुपयों की सम्पत्ति का नुकसान होता है। जन–धन की इस हानि की किसी जिम्मेदारी तय नहीं है। आखिर कौन हर साल होने वाले ऐसे हादसों के लिए जिम्मेदार है। हादसा होने के बाद सिर्फ लकीर पीटी जाती है। ऐसे उपाय नहीं किए जाते कि हादसों की पुनरावृत्ति नहीं हो, या फिर इनकी संख्या में कमी लाई जा सके। भारत में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले आर्थिक नुकसान में तेजी से वृद्धि हुई है। 2013–2022 के दशक में हर साल औसतन 8 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 66,000 करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ। यह 2003–2012 के दशक की तुलना में 125 फीसदी अधिक है, जब यह आंकड़ा 3.8 अरब डॉलर था। वर्ष 2024 के नुकसान की गणना अभी बाकी है, जो इतिहास में भारत का सबसे गर्म साल रहा है। यह वृद्धि बताती है कि या तो प्राकृतिक आपदाएं अधिक बार आ रही हैं, अधिक गंभीर हो गई हैं, या दोनों ही बातें हो रही हैं। 1970 से 2021 तक का डेटा दिखाता है कि समय के साथ प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले आर्थिक नुकसान में लगातार बढ़ोतरी हुई है। कुछ वर्षों में नुकसान की मात्रा में बड़ी छलांग देखी गई, जो विनाशकारी घटनाओं, जैसे कि बड़े चक्रवातों, बाढ़, या सूखे के कारण हुई। वर्ष 2023 में, भारत को प्राकृतिक आपदाओं से 12 अरब अमेरिकी डॉलर (एक लाख करोड़ रुपये से अधिक) का नुकसान हुआ। यह 2013–2022 के औसत 8 अरब डॉलर से काफी ज्यादा था। स्विस रे की रिपोर्ट के अनुसार, ये बड़े नुकसान उन क्षेत्रों में हुए जहां संपत्तियों और आर्थिक गतिविधियों की संख्या ज्यादा है। स्विस रे एक प्रमुख पुनर्बीमा कंपनी है, जो विभिन्न प्रकार की रिपोर्ट और अध्ययन प्रकाशित करती है। जून 2023 में, चक्रवात बिपरजॉय ने गुजरात के कच्छ जिले में भारी नुकसान पहुंचाया। इसके कारण सौराष्ट्र और कच्छ के सभी बंदरगाह, जैसे कांडला और मुंदरा बंदरगाह, बंद हो गए। तेज हवाओं, भारी बारिश और समुद्री तूफान ने राज्य में भारी तबाही मचाई। इस चक्रवात ने महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे पड़ोसी राज्यों को भी प्रभावित किया। दिसंबर 2023 में, चक्रवात मिकाउंग के चलते चेन्नई में भारी बारिश और बाढ़ के कारण बड़े नुकसान हुए। इसके अलावा, जुलाई 2023 में उत्तरी भारत और सिक्किम में आई बाढ़ ने हिमाचल प्रदेश और दिल्ली को बुरी तरह प्रभावित किया। स्विस रे के विश्लेषण में पाया गया कि भारत में पिछले दो दशकों में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले कुल वार्षिक नुकसान का लगभग 63 फीसदी हिस्सा बाढ़ से जुड़ा हुआ है। इसका कारण भारत की जलवायु और भौगोलिक स्थिति है। भारत में गर्मी का मॉनसून (जून से सितंबर) और पूर्वोत्तर मॉनसून (अक्टूबर से दिसंबर) भारी बारिश लाते हैं, जिससे गंभीर बाढ़ की स्थिति पैदा होती है। कुछ बड़ी घटनाओं में 2005 में मुंबई, 2013 में उत्तराखंड, 2014 में जम्मू और कश्मीर, 2015 में चेन्नई और 2018 में केरल की बाढ़ शामिल हैं। साल 2023 में उत्तर भारत की बाढ़ ने भी एक अरब डॉलर से अधिक का नुकसान पहुंचाया। रिपोर्ट कहती है कि नुकसान में वृद्धि के कई कारण हैं। इनमें जलवायु परिवर्तन प्रमुख है। बढ़ते तापमान से चक्रवात, बाढ़ और सूखे जैसी घटनाओं की तीव्रता और आवृत्ति बढ़ी है। इसके अलावा संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ता निर्माण और आबादी आपदा के समय अधिक नुकसान का कारण बनते हैं। बाढ़ जैसी आपदाओं से सड़कों, पुलों और सार्वजनिक उपयोगिताओं जैसे बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान होता है। इससे ना केवल आर्थिक गतिविधियां बाधित होती हैं बल्कि यह लोगों की जिंदगी को भी प्रभावित करता है। कुदरती आपदाओं के कारण ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में घरों का बड़े पैमाने पर नुकसान होता है। इससे हजारों लोग बेघर हो जाते हैं और फिर से निर्माण में भारी खर्च आता है। प्राकृतिक आपदाओं से भारत के कुछ क्षेत्र अधिक प्रभावित हैं। तटीय राज्य, जैसे ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल अक्सर चक्रवात और समुद्री तूफानों का सामना करते हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे गंगा के मैदान हर साल बाढ़ से प्रभावित होते हैं। राजस्थान और गुजरात बार–बार सूखे का सामना करते हैं। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे हिमालयी क्षेत्र भूकंप और भूस्खलन के लिए संवेदनशील है। साथ ही, मुंबई, चेन्नई और दिल्ली जैसे बड़े शहर बाढ़ और जलभराव के लिए अधिक संवेदनशील हैं। वर्ष 2005 की मुंबई बाढ़ और 2015 की चेन्नई बाढ़ भारत की सबसे महंगी प्राकृतिक आपदाओं में से हैं। इनसे क्रमशरू 5.3 अरब डॉलर और 6.6 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। रिपोर्ट कहती है कि इन घटनाओं से स्पष्ट है कि बेहतर योजना और आपदा प्रबंधन की सख्त जरूरत है। जलवायु परिवर्तन के चलते भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता और बढने की संभावना है। स्विस रे के मुताबिक भारत को आपदा प्रबंधन और तैयारी के लिए बेहतर कदम उठाने होंगे और ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना होगा जो आपदाओं का सामना कर सके। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए स्विस रे की रिपोर्ट में कुछ उपाय भी सुझाए गए हैं। जैसे कि डेटा और प्रभावित केंद्रों की पहचान कर संवेदनशील क्षेत्रों का विस्तृत नक्शा बनाना होगा। आधुनिक तकनीकों और डेटा का इस्तेमाल कर नुकसान का सटीक आकलन किया जाए। ऐसी बीमा योजनाएं तैयार की जाएं, जो अधिक लोगों तक पहुंच सकें और प्राकृतिक आपदाओं के बाद वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर सकें। फरवरी 2021 में उत्तराखंड में एक हिमनद के फटने के कारण बर्फ, हिम और मलबे का स्खलन होने से व्यापक श्फ्लैशश फ्लडश उत्पन्न हुआ। भारत में बाढ़ प्रतिवर्ष लगभग 75 लाख हेक्टेयर भूमि क्षेत्र को प्रभावित करती है और फसलों, घरों एवं सार्वजनिक उपयोगिताओं की क्षति के रूप में 1,805 करोड़ रुपए मूल्य की हानि का कारण बनती है। सवाल यह है कि आखिर देश के लोग बाढजनित आपदाओं की मार कब तक झेलते रहेंगे। हर साल होने वाली मौतें और हजारों करोड़ की सम्पत्ति की बर्बादी आखिर कब थमेगी। सिर्फ प्रकृति को दोष से देने से जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। लापरवाही की बहानेबाजी का यह सिलसिला तब तक चलता रहेगा, जब तक सजा का कठोर प्रावधान नहीं होगा। 1970 से 2021 तक का डेटा दिखाता है कि समय के साथ प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले आर्थिक नुकसान में लगातार बढ़ोतरी हुई है।

कुछ वर्षों में नुकसान की मात्रा में बड़ी छलांग देखी गई, जो विनाशकारी घटनाओं, जैसे कि बड़े चक्रवातों, बाढ़, या सूखे के कारण हुई। वर्ष 2023 में, भारत को प्राकृतिक आपदाओं से 12 अरब अमेरिकी डॉलर (एक लाख करोड़ रुपये से अधिक) का नुकसान हुआ। यह 2013–2022 के औसत 8 अरब डॉलर से काफी ज्यादा था। स्विस रे की रिपोर्ट के अनुसार, ये बड़े नुकसान उन क्षेत्रों में हुए जहां संपत्तियों और आर्थिक गतिविधियों की संख्या ज्यादा है। स्विस रे एक प्रमुख पुनर्बीमा कंपनी है,।

एलयूसीसी के पूर्व मैनेजर का शव बाग में फंदे से लटकता मिला

परिजनों ने पुलिस प्रशासन पर प्रताड़ना का आरोप लगाया

बाराबंकी (संवाददाता)। हजारों निवेशकों के करोड़ों रुपये डुबोने वाली चर्चित चिटफंड कंपनी एलयूसीसी के पूर्व मैनेजर स्वामी दयाल मिश्रा (50) ने सुबह कथित रूप से आत्महत्या कर ली। उनका शव भवानीपुर स्थित बाग में फंदे से लटका मिला। परिजनों ने पुलिस प्रशासन पर प्रताड़ना का आरोप लगाया। भारी संख्या में कंपनी एजेंट पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए। सफदरगंज क्षेत्र के भवानीपुर गांव निवासी स्वामी दयाल गोंडा जिले के करनैलगंज स्थित कंपनी एलयूसीसी (द लोनी अर्बन मल्टी स्टेटक्रेडिट एंड थ्रिफ्ट कोऑपरेटिव सोसायटी) के दफ्तर में मैनेजर के तौर पर काम करते थे। पिछले साल जुलाई में जब यह पता लगा कि एलयूसीसी कंपनी हजारों निवेशकों के करोड़ों रुपये लेकर भाग गई है तो पुलिस ने निवेशकों की तहरीर पर ताबड़तोड़ मुकदमे दर्ज किए थे। स्वामी दयाल मिश्रा के खिलाफ धोखाधड़ी समेत करीब 10 मुकदमे दर्ज थे। 28 नवंबर को उन्हें पांच अन्य के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। दो महीने पहले ही वह जमानत पर रिहा हुए थे। रिहाई के बाद से वे गांव के बाहर खेत में बने छोटे मकान में अकेले ही रहते थे जबकि उनके परिवार के लोग गांव में ही रहते हैं। बाग में उनका शव लटका मिला तो परिजन बेसुध हो गए। परिजनों ने पुलिस प्रशासन पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि जेल से रिहा होने के बाद से स्वामी दयाल ने बातचीत लगभग बंद कर दी थी और ठीक से खाना–पीना भी नहीं कर रहे थे। वह मुकदमे की पेशी में गए थे जहां उन्हें पता लगा था कि पुलिस गैंगस्टर लगाने जा रही है और संपत्ति भी कुर्क कर लेगी, तभी से वह अधिक उदास नजर आ रहे थे। घटना की खबर फैलते ही कंपनी से जुड़े सैकड़ों एजेंट पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए।

सभी का आरोप है कि कंपनी के मुख्य अधिकारियों को पकड़ने के बजाय पुलिस छोटे कर्मचारियों और एजेंटों को प्रताड़ित कर रही है जबकि वे खुद भी निवेशक हैं। उधर, सफदरगंज थानाध्यक्ष अमर कुमार चौरसिया ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच की जा रही है। 28 नवंबर को उन्हें पांच अन्य के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। दो महीने पहले ही वह जमानत पर रिहा हुए थे।

खेती को उद्योग की तरह अपनाएं : डीएम

बाराबंकी (संवाददाता)। खेती को उद्योग की तरह अपनाकर अच्छी कमाई की जा सकती है। रोजगार के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी। यह अपील डीएम शशांक त्रिपाठी ने शुक्रवार को पोखरा चीनी मिल परिसर में आयोजित गन्ना किसानों की गोष्ठी में युवाओं से की। उन्होंने कहा कि खेती को उद्योग की तरह अपनाने के लिए नवाचार व वैज्ञानिक तरीकों का प्रयोग करना होगा। उन्होंने जिले के कई प्रगतिशील किसानों का उदाहरण देकर लाभकारी खेती के प्रति लोगों का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने गन्ने की सहफसली खेती और ड्रिप सिंचाई पर बल दिया। कहा कि अब गन्ने की नई–नई प्रजातियां आ गई हैं। गन्ने के साथ उर्द, लहसुन, प्याज, आलू, धनिया व सरसों की सहफसली खेती की जा सकती है। ड्रिप सिंचाई से पानी की काफी बचत होगी। पैदावार भी ज्यादा होगी क्योंकि ड्रिप सिंचाई से सीधे गन्ने के पौधे को पानी मिलता है।

झूठी एफआईआर से चौपट हो सकता भविष्य : एएसपी

बाराबंकी (संवाददाता)। शहर के लखपेड़ाबाग स्थित केंद्रीय विद्यालय में शनिवार दोपहर तत्वावधान में पुलिस की पाठशाला का आयोजन किया गया। इसमें एएसपी उत्तरी विकास चंद्र त्रिपाठी ने बतौर प्रभारी एसपी हाईस्कूल और इंटर के छात्र–छात्राओं को कानून की बारीकियां बताईं। उन्होंने पुलिसिंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी तो सिविल सेवाओं सहित विभिन्न कॅरिअर विकल्पों पर भी मार्गदर्शन दिया। पाठशाला के दौरान छात्रों ने बेबाक सवाल भी पूछे। कई छात्रों ने सवाल किए कि पुलिस एफआईआर दर्ज करने में देरी या लापरवाही क्यों करती है। इस पर प्रभारी एसपी ने कहा कि झूठी एफआईआर से किसी का पूरा भविष्य बर्बाद हो सकता है। ऐसे व्यक्ति को वीजा–पासपोर्ट नहीं मिलेगा, सरकारी या निजी नौकरी में दिक्कत आएगी और पुलिस वेरिफिकेशन में भी अड़चनें आएंगी। उन्होंने कहा कि लोग कभी–कभी झूठे आरोप लगाकर निर्दोषों को फंसा देते हैं, इसलिए पुलिस बिना जांच–पड़ताल किए सीधे एफआईआर दर्ज नहीं करती। उन्होंने कहा कि अब पुलिसिंग बदल गई है। यूपी कॉप एप पर पुलिस विभाग की 23 तरह की सेवाएं ऑनलाइन ली जा सकती हैं जिनके लिए पहले थाने या पुलिस कार्यालय जाना पड़ता था। उन्होंने 112 नंबर की भी जानकारी दी और बताया कि कॉल करने पर औसतन आठ मिनट में पुलिस मौके पर पहुंच जाती है।

सड़क हादसों में दो युवकों की मौत

बाराबंकी (संवाददाता)। सड़क हादसों में दो युवकों की मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों में से एक एमबीए का छात्र था। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों का सौंप दिया। दोनों मृतकों के परिवार में चूल्हा नहीं जला। टिकैतनगर क्षेत्र के गौरा ठकुरान गांव निवासी मालिकराम (24) शुक्रवार देर रात गांव के ही साथी विनय कुमार (22) के साथ बाइक से निकले थे। टिकैतनगर–भेलसर मार्ग पर अजईमऊ गांव मोड़ के पास सड़क किनारे लगे खंभे से तेज रफ्तार बाइक टकरा गई। हादसे में मालिकराम की मौके पर ही मौत हो गई जबकि विनय गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत एंबुलेंस से घायल विनय को सीएचसी टिकैतनगर में भर्ती कराया। पुलिस ने मालिकराम का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मालिकराम तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर थे। तीन साल पहले उनकी शादी हुई थी।

सीएचसी तीन स्वास्थ्य कर्मी मिले नदारद

बाराबंकी (संवाददाता)। अयोध्या मंडल के अपर निदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डॉ. वीके वर्मा ने शनिवार को सीएचसी रामनगर का औचक निरीक्षण किया। दो चिकित्सकों समेत तीन स्वास्थ्य कर्मी नदारद मिले। सीएचसी में गंदगी मिलने पर कड़ी नाराजगी भी जताई। सीएमओ डॉ. अवधेश यादव को फोन कर बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने व गैरहाजिर मिले चिकित्सक व कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। सुबह 11 बजे अपर निदेशक स्वास्थ्य अचानक सीएचसी रामनगर पहुंचे तो उन्हें मुख्य गेट से लेकर वार्ड तक गंदगी व अव्यवस्थाएं नजर आईं। सीएचसी में मौजूद मेडिकल स्टॉफ से अस्पताल में उपलब्ध संसाधन और चिकित्सकों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। ओपीडी में डॉ. आशीष सिंह मरीजों को देखते मिले।

पिपरझला गांव में दिखा बाघ, इलाके में दहशत

सीतापुर (संवाददाता)। कठिना नदी की तलहटी से निकलकर आया एक बाघ पिपरझला गांव के निकट पहुंच गया। बाघ ने बकरी का शिकार किया है। जांच में पगचिह्न बाघ के मिले हैं।ध्वन विभाग की टीम ने कॉम्बिंग कर ग्रामीणों को सतर्क किया है। सुबह करीब 10 बजे क्षेत्र के पिपरझला गांव के निकट बाघ ने नहर के पास बकरी का शिकार किया। बताया जाता है कि संजय की बेटी मोहिनी गांव के निकट खेतों में बकरियां चरा रही थी। मोहिनी के मुताबिक इसी दौरान अचानक प्रमोद वाजपेयी के गन्ने के खेत से बाघ निकला और बकरी को दबोचकर गन्ने के खेत में खींच ले गया। बाघ को देखकर बदहवास मोहिनी ने घर पहुंचकर परिजनों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद ग्रामीण इकठ्ठा होकर मौके पर पहुंचे। पगचिह्न देखकर वन विभाग को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने पगचिह्नों की पहचान कर बाघ होने की पुष्टि की है। क्षेत्रीय वनाधिकारी कल्पेश्वर नाथ ने बताया कि पगचिह्न बाघ के ही हैं। कॉम्बिंग कर लोगों को सतर्क किया जा रहा है कि वह खेत के आसपास झुंड में ही जाए। बच्चों को अंधेरे में बाहर न निकलने दें। क्षेत्र में जंगली जानवर ने भैंस के बच्चे पर हमला कर उसे मार डाला। ग्रामीण बाघ होने का दावा कर रहे हैं। खेत में मिले पगचिह्न के आधार पर वन विभाग सियार व तेंदुआ होने की आशंका जता रहा है। ग्रामीणों में दहशत है। वन रेंज हरगांव के ऐलिया गांव के पश्चिम में बब्लू के हाते में भैंस का बच्चा बंधा था। शनिवार रात जंगली जानवर ने घुसकर हमला कर दिया।

सराफ से ढाई लाख की लूट

सीतापुर (संवाददाता)। हरगांव में देर शाम तीन बाइक सवार बदमाशों ने असलहे के बल पर सराफ से सोने के आभूषण व नकदी सहित लगभग ढाई लाख का माल लूट लिया। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की पर आरोप है कि पुलिस ने फोन नहीं उठाया। तालगांव के मेहंदीपुरवा निवासी प्रशांत की हरगांव में रामनगर पुल पर रस्तोगी ज्वैलर्स व रस्तोगी खाद भंडार ने नाम से दुकान है। रविवार देर शाम प्रशांत ज्वैलरी की दुकान बंद कर बाइक से घर जा रहे थे। तभी रामनगर बाजार के पास बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने प्रशांत की बाइक को जबरन रोक लिया और असलहा सटाकर बाइक की चाभी खींचकर नहर में फेंक दी। इसके बाद प्रशांत के बैग में रेहन के रखे सोने के करीब दो लाख के आभूषण सहित लगभग 60 हजार रुपये लूट ले गए। बदमाशों ने प्रशांत का मोबाइल व दुकान की चाभियां और खाद भंडार की बिक्री मशीन भी छीन ले गए। प्रशांत का कहना है बाइक सवार लुटेरे पुलिस चौकी के आसपास से ही रेकी कर रहे थे।

मानसून की पहली झमाझम बारिश ने लोगों को गर्मी से निजात दिलाई

पहाड़ों पर बारिश से जिले में सरयू व शारदा नदी का जलस्तर धीरे-धीरे बढ़ रहा है

सीतापुर (संवाददाता)। जिले में मानसून की पहली झमाझम बारिश ने लोगों को गर्मी से निजात दिला दी। शनिवार देर शाम से रुक–रुककर बारिश का दौर रविवार दोपहर बाद तक चलता रहा। दिनभर बादल छाए रहने और हवा चलने से मौसम खुशनुमा हो गया।

हालांकि बारिश से जलभराव और कीचड़ ने लोगों की मुसीबत बढ़ा दी। मौसम में बदलाव से जिले के तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार रविवार को अधिकतम पारा लुढ़ककर 33 डिग्री पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। देर शाम मौसम अचानक बदल गया। काले बादलों ने डेरा जमा लिया और तेज हवाएं चलने लगीं।

शहर व आसपास इलाकों में शुरू हुई बारिश का दौर रुक–रुककर देर रात तक चलता रहा। रविवार सुबह भी आसमान में बादलों ने डेरा जमाए रखा। दोपहर बाद कहीं तेज तो किसी इलाके में रिमझिम बरसात हुई। बारिश रुकने के बाद भी बदली व हवाओं ने मौसम सुहाना बनाए रखा। बारिश ने गर्मी से राहत दिलाई तो लोगों के चेहरे खिल उठे। बारिश से पारा भी लुढ़क गया। बारिश के पहले शनिवार को जिले का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस था, रविवार को तापमान लुढ़ककर 33 डिग्री पर पहुंच गया। वहीं, शहर में बारिश से कई सड़कों पर जलभराव और कीचड़ होने से लोगों को आवागमन मे दिक्कतें उठानी पड़ी। अगले 24 घंटों तक जिले के कई हिस्सों में बारिश के आसार मौसम विभाग ने जताए हैं। पहाड़ों पर बारिश से जिले में सरयू व शारदा नदी का जलस्तर धीरे–धीरे बढ़ रहा है। इन नदियों के तटवर्ती निचले भू–भाग की ओर पानी का बहाव होने लगा है। हालांकि अभी बाढ़ जैसे कोई हालात नहीं हैं। इसके बाद भी तलहटी के गांवों के लोग सहमे दिखाई दे रहे हैं।

ग्रामीणों की मानें तो निचले भू–भागों में पानी का फैलाव होना खतरे की घंटी है। सरयू नदी में उफान आने पर मेवडी छोलहा, श्रीरामपुरवा, घूसेपुरवा, पासिनपुरवा, मरेली, लोधन पुरवा, लाला पुरवा आदि गांव सबसे पहले बाढ़ की चपेट में आते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पहाड़ों पर बारिश का असर यहां नदियों के जलस्तर पर नजर आने लगा है। इधर, शनिवार की देर शाम से जिले में भी मानसून ने दस्तक दे दी है। सरयू नदी का पानी किनारों की ओर बढ़ने लगा है। निचले क्षेत्रों की ओर पानी का बहाव तेज हो गया है। बाढ़ के संभावित खतरे को देखते हुए ग्रामीणों ने ईंधन के साथ मवेशियों के लिए चारे का प्रबंध अभी से करना शुरू कर दिया है।

2.86 लाख किसानों ने नहीं कराई फार्मर रजिस्ट्री

बाराबंकी (संवाददाता)। किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त आने वाली है पर जिले के करीब 2.86 लाख किसान ऐसे हैं जिन्होंने अभी फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराई है। इसके चलते किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त मिलने पर अभी से संकट के बादल मंडराने लगे हैं। वहीं जिम्मेदार भी इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं जबकि किसान भी खेती–बाड़ी के काम में जुटे हुए हैं। जिले में पांच लाख 64 हजार 780 किसानों को फार्मर रजिस्ट्री करानी है परंतु अभी तक महज दो लाख 78 हजार 634 किसानों ने ही अपना डाटा पोर्टल पर अपलोड किया है। अभी दो लाख 86 हजार 146 किसान ऐसे हैं जिन्होंने अभी तक अपनी फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराई है।

एनेस्थेसिस्ट हो रहे सिजेरियन, हरपालपुर में तैनाती फिर भी आंकड़ा शून्य

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर सिजेरियन प्रसव यानी ऑपरेशन से प्रसव पर ध्यान नहीं दिया जा रहा

हरदोई (संवाददाता)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर सिजेरियन प्रसव यानी ऑपरेशन से प्रसव पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। खास बात यह है कि जिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में एनेस्थेसिस्ट की तैनाती है, उनमें भी सिजेरियन प्रसव नहीं हो रहे। जहां हो भी रहे हैं वहां की संख्या बेहद कम है। जिला मुख्यालय के अलावा सिर्फ संडीला सीएचसी में ही सिजेरियन प्रसव की स्थिति ठीक है। इनमें भी संडीला में एनेस्थेसिस्ट की तैनाती नहीं है। जिला स्तर पर महिला अस्पताल और 100 शैया संयुक्त अस्पताल सहित तीन ब्लॉकों की सीएचसी पर प्रसूताओं की सिजेरियन की व्यवस्था है।

इसके बावजूद जिला महिला अस्पताल और 100 शैया संयुक्त चिकित्सालय में ही सिर्फ सिजेरियन प्रसवों की स्थिति बेहतर है। जबकि अन्य ब्लॉकों में स्थिति ठीक नहीं है। हालांकि, संडीला ब्लॉक में एनेस्थेसिस्ट तैनात न होने के बाद भी वहां स्थिति बेहतर है। पिहानी सीएचसी के एनेस्थेसिस्ट की मदद से संडीला में जून माह में 20 सिजेरियन प्रसव किए गए। वहीं, हरपालपुर, पिहानी और बिलग्राम में एनेस्थेसिस्ट तैनात होने के बाद भी स्थित खराब है। 23 जून तक रिपोर्ट के अनुसार पिहानी में एक और हरपालपुर व बिलग्राम में शून्य सिजेरियन प्रसव हुए। संडीला में अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि पिहानी सीएचसी के चिकित्सक डॉ. अरुण कुमार को अटैच किया गया है। वहीं, हरपालपुर अधीक्षक डॉ. आनंद पांडेय ने बताया कि सिजेरियन प्रसव की पूरी व्यवस्था है। अभी तक 10 सिजेरियन कराए जा चुके हैं। सिजेरियन प्रसव में सुविधाएं बढ़ाई गई हैं, इसके बाद भी संस्थागत प्रसव नहीं बढ़ रहे हैं। सिजेरियन प्रसव की संख्या बेहद कम है। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी ही व्यवस्थाओं में पलीता लगाए हुए हैं। गर्भवती महिलाओं को अस्पताल तक लाने की जिनकी जिम्मेदारी होती है, वह ही गर्भवतियों को अस्पताल न लाकर निजी क्लीनिकों पर भेज देते हैं। महिलाओं को क्लीनिक तक पहुंचाने के लिए उन जिम्मेदारों का भी फायदा होता है।

इसलिए महिला अस्पताल के बाहर दिनभर भीड़ देखी जाती है। खास बात यह है कि जिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में एनेस्थेसिस्ट की तैनाती है, उनमें भी सिजेरियन प्रसव नहीं हो रहे। जहां हो भी रहे हैं वहां की संख्या बेहद कम है। जिला मुख्यालय के अलावा सिर्फ संडीला सीएचसी में ही सिजेरियन प्रसव की स्थिति ठीक है। इनमें भी संडीला में एनेस्थेसिस्ट की तैनाती नहीं है। जिला स्तर पर महिला अस्पताल और 100 शैया संयुक्त अस्पताल सहित तीन ब्लॉकों की सीएचसी पर प्रसूताओं की सिजेरियन की व्यवस्था है।

सर्पदंश से मासूम की मौत

हरदोई (संवाददाता)। सिकंदरपुर बाजार में शनिवार सुबह मासूम को सांप ने काट लिया। मेडिकल कॉलेज में उसे मृत घोषित कर दिया गया। परिजन उसका शव लेकर झाड़–फूंक कराते रहे। लगभग 14 घंटे बाद शव घर ले जाकर पुलिस को सूचना दी। मासूम अपने माता–पिता का इकलौता पुत्र था। सिकंदरपुर बाजार निवासी अमरेंद्र कुमार का पुत्र सोनू (8) कक्षा चार का छात्र था। शनिवार सुबह सात बजे वह अपने मकान के पीछे ही शौच के लिए गया था। इस दौरान उसे सांप ने काट लिया। घर आते ही उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसने पिता अमरेंद्र को बताया कि सांप ने काटा है। परिजन उसे मेडिकल कॉलेज लाए, लेकिन यहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। परिजन शव लेकर झाड़–फूंक कराने चले गए। परिजन सोनू का शव लेकर लोनार कोतवाली क्षेत्र के सारंगापुर व पाली थाना क्षेत्र के कछेलिया और सैदापुर गांव ले गए। राहत न मिलने पर शनिवार रात लगभग नौ बजे परिजन शव लेकर गांव गए और फिर पुलिस को सूचना दी।

आसमान से बरसी राहत, चौबीस घंटे में साढ़े चार डिग्री पारा गिरा

हरदोई (संवाददाता)। बीते कई दिनों से गर्मी ने लोगों का हाल बेहाल करके रखा हुआ था लेकिन शनिवार की शाम से हुई बारिश ने लोगों को राहत दी। चौबीस घंटे में 31 मिमी बारिश दर्ज की गई है, इससे किसानों के चेहरों पर रौनक छा गई। रविवार को भी दिनभर आसमान में बादल छाए रहने से उमस बनी रही, लेकिन शाम को हुई झमाझम बारिश ने गर्मी में सुकून दिया। मानूसनी बारिश होने में देरी ने जिले के लोगों को गर्मी में परेशान करके रख दिया था। वहीं किसानों के माथे पर भी चिंता की लकीरें साफ नजर आने लगी थीं। बारिश न होने से किसानों को धान की फसल की रोपाई के लिए नलकूपों के भरोसे होना पड़ रहा था। खेत की नमी बरकरार रखने के लिए कई किसान ट्यूबवेल और नलकूप से सिंचाई करने लगे थे। किसान बेसब्री से बारिश का इंतजार कर रहे थे। शनिवार की शाम को हुई बारिश ने किसानों से लेकर आम जनमानस को काफी राहत मिली। रविवार शाम तक 31 मिमी बारिश हुई। बारिश से अधिकतम तापमान में साढ़े चार डिग्री की कमी आई। मौसम वेधशाला प्रेक्षक आरसी वर्मा ने बताया कि अधिकतम पारा 31.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान तीन डिग्री घटकर 24.5 डिग्री सेल्सियस पर रहा। हवाओं की रफ्तार आठ किमी और आर्द्रता सुबह 92 और शाम को 78 प्रतिशत रही।

बारिश शुरू होने के बाद भी नवीन गल्ला मंडी में अनाज खुले में पड़ा हुआ है। बारिश में भीग कर अनाज खराब होने का डर बना हआ है। इसके बाद भी अनाज को सुरक्षित स्थान पर नहीं रखा जा रहा है।

सराफ से ढाई लाख की लूट

सीतापुर (संवाददाता)। हरगांव में देर शाम तीन बाइक सवार बदमाशों ने असलहे के बल पर सराफ से सोने के आभूषण व नकदी सहित लगभग ढाई लाख का माल लूट लिया। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की पर आरोप है कि पुलिस ने फोन नहीं उठाया। तालगांव के मेहंदीपुरवा निवासी प्रशांत की हरगांव में रामनगर पुल पर रस्तोगी ज्वैलर्स व रस्तोगी खाद भंडार ने नाम से दुकान है। रविवार देर शाम प्रशांत ज्वैलरी की दुकान बंद कर बाइक से घर जा रहे थे। तभी रामनगर बाजार के पास बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने प्रशांत की बाइक को जबरन रोक लिया और असलहा सटाकर बाइक की चाभी खींचकर नहर में फेंक दी।

हिंसक कुत्तों ने बालिका को नोच-नोचकर मार डाला...बचाव में उसने सिर-पैर मिट्टी से ढके

गोरखपुर (संवाददाता)। बस्ती के सोनहा थाना क्षेत्र के टेढीकुईयां गांव में ननिहाल आई 10 वर्ष की बालिका के साथ दिल दहला देने वाली घटना घटी। नानी के घर से करीब तीन सौ मीटर दूर बाग में आम बीनने गई नूरशबा उर्फ शब्बों को आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। उसके चेहरे, गर्दन से लेकर पूरे शरीर को नोच डाला। उसके शरीर पर 45 से अधिक जख्म पाए गए। कुत्तों से बचने के लिए बालिका ने अपना सिर व पैर मिट्टी से ढक लिया मगर हिंसक कुत्तों ने उसका पीछा नहीं छोड़ा। खेत में पाइप फैलाने गए उसके मामा ने अपनी मासूम भांजी को मृत हालत में पाया। पहले तो कई तरह की आशंका हुई, लेकिन पोस्टमार्टम में स्पष्ट हो गया कि कुत्तों के नोचने की वजह से उसकी मौत हुई। पशु चिकित्सा विभाग की टीम ने कुत्तों को पकड़वाने का प्रयास किया लेकिन कामयाबी नहीं मिली। पूरे गांव में दहशत का माहौल है। संतकबीरनगर जिले के बेलहर कला थाने के फूलपुर निवासी मैराजुन्निशा पत्नी गयासुद्दीन अपनी 10 वर्षीय बेटी नूरशबा उर्फ शब्बों को लेकर टेढीकुईयां गांव में अपने भाई इकबाल के घर आयी थी। रविवार तड़के शब्बो आम बीनने पास के बाग में गई थी। काफी देर तक नहीं लौटी तो मां और ननिहाल के अन्य लोगों ने समझा कि कहीं खेलने लगी होगी। सुबह उसका बाग के पास गांव के लोगों ने कुत्तों के झुंड को एक शव को घेरे हुए देखा।

गांव के लोगों की वहां भीड़ जुट गई। उसी समय खेत में सिंचाई करने के लिए पाइप फैलाने शब्बो के मामा इकबाल पहुंच गए। भांजी का शव देख उसके पांच तले जमीन सरक गई। गांव के चौकीदार बुधिराम ने इसकी सूचना थाने पर दी।

किन्नर बन घरों में लूट करने वाली महिलाएं गिरफ्तार

गोरखपुर (संवाददाता)। बेलूडीहा के दो घरों में 23 जून को घुसकर महिलाओं के जेवर व नकदी लूटकर भागने वाली दो महिलाओं और एक पुरुष को बांसगांव पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। यह किन्नर बनकर घरों में लूटपाट करते थे। 23 जून की घटना में केस दर्ज करने के बाद पुलिस उनकी तलाश में थी।

तीनों की पहचान मऊ जिले के घुटमा थाना के रानीपुर निवासी तस्लीम अहमद, अमराना और सजबुननिशा के रूप में हुई। बेलूडीहा की रहने वाली सुनीता देवी और दीपिका पांडेय 23 जून को घर पर बच्चों के साथ अकेली थीं। सुबह 11 बजे के करीब सात की संख्या में खुद को किन्नर बताते हुए महिलाएं पहुंचीं। इनमें तीन सुनीता के घर के अंदर और चार पड़ोस की दीपिका के घर में घुस गईं। सुनीता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि अंदर घुसने के बाद तीनों ने श्राप देने की धमकी देते हुए उन्हें डराया। इसके बाद हाथ से सोने की अंगूठी और बेटी के कान से सोने का कुंडल लेकर भाग गईं।

गोरखपुर से सुबह १५० यात्रियों को लेकर रवाना हुई, १२ दिनों की होगी धार्मिक यात्रा

गोरखपुर (संवाददाता)। 00501 भारत गौरव पर्यटक ट्रेन सोमवार को गोरखपुर से सुबह 9:00 बजे चली। दूसरे दिन एक जुलाई को उज्जैन, दो जुलाई को उज्जैन से चलेगी और तीन जुलाई को द्वारका में, चार जुलाई को द्वारका से छूटकर पांच जुलाई को वेरावल से चलकर नासिक में हाल्ट करेगी।

सोमवार की सुबग भारत गौरव ट्रेन 150 यात्रियों को लेकर रवाना हुई। आईआरसीटीसी इन यात्रियों को सात ज्योतिर्लिंग और धार्मिक स्थलों का दर्शन कराएगा। सोमवार को प्लेटफार्म नंबर एक से ट्रेन रवाना हुई। आईआरसीटीसी की तरफ से सभी यात्रियों की स्वागत किया गया। देश के सात ज्योतिर्लिंग और धार्मिक स्थलों का दर्शन कराने के लिए भारत गौरव स्पेशल ट्रेन सोमवार को रवाना हो गई। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कार्पोरेशन (आईआरसीटीसी) की ओर से चलाई जा रही ट्रेन गोरखपुर से सुबह नौ बजे चली, जो 12 दिनों की यात्रा कराने के बाद ट्रेन 11 जुलाई को लौटेगी। ट्रेन में स्लीपर और एसी श्रेणी के कोच लगाए गए हैं। कुल 620 बर्थ में 359 बुक हो चुकी है, इसमें एसी श्रेणी की सभी सीटें बुक हो गई हैं। ट्रेन जिन स्टेशनों से होकर गुजरेगी, अगर कोई यात्री वहां से सफर करना चाहेगा तो उसका टिकट ट्रेन में भी बन जाएगा। एनईआर के सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि ट्रेन में चढ़ने व उतरने के लिए गोरखपुर, मनकापुर, अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर, मां बेल्हादेवी धाम प्रतापगढ़, प्रयागराज संगम, रायबरेली, लखनऊ, कानपुर सेन्ट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं0 (झांसी) तथा ललितपुर स्टेशनों पर सुविधा दी गई है। यात्रा के लिए लखनऊ, गोमतीनगर स्थित आईआरसीटीसी के कार्यालय से अथवा बेवसाइट ृ पतबजबजवनतपेउ.बवउ पर टिकट बुक किया जा सकता है। ट्रेन में शयनयान श्रेणी के 09, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, जनरेटर सह लगेज यान के 02 तथा पेंट्रीकार के 01 कोच समेत कुल 14 आधुनिक एलएचबी कोच लगाए जाएंगे। 00501 भारत गौरव पर्यटक ट्रेन 30 जून को गोरखपुर से सुबह 9रू00 बजे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक से रवाना हुई। दूसरे दिन एक जुलाई को उज्जैन, दो जुलाई को उज्जैन से चलेगी और तीन जुलाई को द्वारका में, चार जुलाई को द्वारका से छूटकर पांच जुलाई को वेरावल से चलकर नासिक में हाल्ट करेगी। नासिक से सात जुलाई छूटकर खदकी में और आठ जुलाई को खदकी से वापसी यात्रा के लिए चलेगी। 11 जुलाई को गोरखपुर शाम 6रू40 बजे पहुंचकर यात्रा समाप्त करेगी। उज्जैन में स्थित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, ओंमकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, गुजरात में द्वारिकाधीश, भेटद्वारिका, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, सिग्नेचर ब्रिज, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, नासिक में त्रियंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, पंचवटी, आदि।

किसान पर गिरा हाईटेंशन लाइन का तार

सीतापुर (संवाददाता)। दतेली गांव में खेत की जोताई कर रहे किसान पर हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर गिर गया। पिता को करंट से तड़पते देख बचाने पहुंचा बेटा भी झुलस गया। गंभीर हालात में दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दतेली निवासी किसान जयपाल (40) अपने बेटे सुधीर (20) के साथ ट्रैक्टर से शनिवार देर शाम खेत की जोत रहे थे। इसी दौरान खेत के ऊपर से गुजरी हाईटेंशन लाइन का तार जयपाल पर गिर गया। करंट से पिता को तड़पते देख बेटे ने बचाने की कोशिश की तो वह भी चपेट में आकर झुलस गया। शोर सुनकर ग्रामीणों ने खैराबाद देहात ग्रामीण फीडर पर फोन करके बिजली कटवाई।

ग्राम संघ अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र कुमार वर्मा ने जिलाधिकारी बलराम पुर को सम्बोधित एक ज्ञापन खण्ड विकास अधिकारी उतरौला को सौंपा।

उतरौला बलरामपुर सोमवार को ग्राम प्रधान,ग्राम पंचायत अधिकारी, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी, ग्राम रोजगार सेवक तकनीकी सहायक संघ संयुक्त मोर्चा उत्तर प्रदेश ने प्रधान संघ अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र कुमार वर्मा के नेतृत्व में जिलाधिकारी बलरामपुर को सम्बो धित एक ज्ञापन खण्ड विकास अधिकारी उतरौला को सौंपा।

दिए गए ज्ञापन में कहा है कि विकास खण्ड पचपेड़वा अन्तर्गत ग्राम पंचायत विशुनपुर टन टनवा में मनरेगा योज नान्तर्गत अन्तर्गत निर्मि त 03 तालाब के सापेक्ष की गई जांच में दोषी पाये गये ग्राम प्रधान, सचिव, रोजगार सेवक, जे०ई०/ए०पी०ओ० के विरुद्ध जिला प्रशासन के निर्देश पर खण्ड विकास अधिकारी महोदय,पचपेड़वा द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करायी गई। जिसके क्रम में सभी लोग जेल चले गये, किन्तु मनरेगा अन्तर्गत उस तालाब पर लगभग 38 लाख रूपये के भुगतान पर तत्कालीन खण्डविकास अधिकारी धनन्जय सिंह को जिला प्रशासन के द्वारा बचा लिया गया जब कि भुगतान तत्का लीन खण्ड विकास अधिकारी धनन्जय सिंह के डोंगल द्वारा किया गया। इनके खिलाफ कोई कार्यवाही जिला प्रशासन द्वारा नहीं किया गया। तत्का लीन खण्ड विकास अधिकारी के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट जिला प्रशासन के द्वारा अविलम्ब दर्ज कराया जाये। ग्राम पंचायत बैज पुर विकास खण्ड बल रामपुर में पंचायत भवन निर्माण कार्य में हुई अनियमितता पर दोषि यों के खिलाफ सीधे मुकदमा दर्ज करा दिया गया है। जबकि दुरूप योग की गई धनराशि की वसूली दोषी कर्म चारियोंध प्रधान से सीधे या उनके वेतन से की जा सकती थी। इसी क्रम में दिनांक 27.06. 2025 को विभागीय अधिकारियों के अभि योजन मे स्वीकृत के बगैर महिला कर्मचारी श्रीमती आरती रावत जिसके गोद में 04 माह की बच्ची है, एवं ग्राम प्रधान अरुण सिंह को अमानवीय तरीके से पुलिस प्रशासन के द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया, पुलिस प्रशा सन के द्वारा किया गया उक्त कृत्य घोर निन्दनी य है। यदि जिला प्रशास न में मानवीय संवेदना होती तो उस महिला कर्मचारी को जेल जाने से बचाया जा सकता था, क्योंकि कारागार में निरुद्ध करने जैसा गम्भीर अपराध उनके द्वारा नहीं किया गया था। तत्काल मुकदमा वापस लेकर उपरोक्त की रिहाई करायी जाये।

जिले के अधिकांशग्रामों में जल जीवन मिशन योजना के अन्तर्गत पाईप लाईन डालने एवं गांव में खोदी गईसड़कों का मरम्मत नहीं हुआ है एवं विकास खण्ड बल रामपुर के ग्राम पंचायत चूल्हा भारी में पानी की टंकी फट गई थी प्रशास न के द्वारा मुकदमा की कोई कार्यवाही नहीं की गई, सड़क व गलियां खोदी पड़ी है, ग्रामीण दुर्घटना के शिकार हो रहे है। कम्पनी व ठेके दार मरम्मत का कार्य नहीं कर रहें है। जिनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराई जाए। जिला प्रशा सन के द्वारा उपरोक्त पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। ग्राम पंचायतों में मनरेगा योजना में 252 रूपये की मजदूरी होने के कारण मजदूर कार्य करने को तैयार नहीं है, इस कारण हम सभी काफी परेशान है तथा हम सभी से अनुचित शोषण व धन मांग न पूरी कर पाने के कारण अधि ाकारियों के द्वारा परेशान एवं प्रताड़ित होने की वजह से हम लोग मनरेगा का कार्य नहीं करेंगे, एवं वर्तमान में भी समस्त कार्य बन्द रखेंगे। ग्राम पंचायतों के द्वारा प्रत्येक वर्ष शासन द्वारा सौंपे गये लक्ष्य अनुसार वृक्षारोपण किया जाता है, वृक्षा रोपण के पश्चात कई कारणों से पेड़ों की सुरक्षा न होने के कारण अधिकांश पेड़ नष्ट हो जाते है, हम सब आशं कित है कि भविष्य में पेड़ों की जांच के नाम पर हम लोगों के विरुद्ध उपरोक्तानुसार उत्पीड़न की कार्यवाही की सम्भा वना है, इस कारण हम लोग वृक्षारोपण का कार्य भी नहीं करेंगे।ग्राम पंचायतों को प्रत्येक अधिकारियों द्वारा परेशान किये जाने के कारण तथा ग्राम प्रधान व ग्राम सचिव सहित अन्य कर्मचारियों को दुर्दान्त अपराधी की तरह अपमानित करके जेल भेजे जाने के कार ण कारागार में निरुद्ध व्यक्तियों के रिहाई तक हम सभी कोई कार्य नहीं करेंगे। महोदय शासन के आदेश संख्या –1350ध48ध07.02.2022–296ध मनरेगा 2013 दिनांक 22. 08.2022 में बिन्दु संख्या –3 के पैरा तीन में मनरेगा हेतु ग्राम पंचा यतों को दिये गयेसमस्त अधिकार को जान बूझ कर भ्रष्टाचार के उद्देश्य से लागू न करने से प्रायः ग्राम पंचायत में मनरेगा की विसंगतियां उत्पन्न होती है, इसे तत्काल उक्त शासनादेश को लागू किया जाये,अन्य था इसी दशा में ग्राम पंचायतों पर कोई कार्यवाही न की जाये।मनरेगा एक मांग आधा रित योजना है। जनपद अधिकारियों एवं विका स खण्ड के अधिकारि यों के द्वारा उत्पीड़न एवं शोषण के उद्देश्य से जबरदस्ती लक्ष्य आधा रित योजना बना दिया गया है, जो कि मनरेगा एक्ट का उल्लंघन साबि त हो रहा है एवं मनरेगा में जबरदस्ती कार्य का दबाव कोरोका जाये। प्रत्येक माह सी०एम० डैसबोर्ड के रैंकिंग के नाम पर अधि कारियों के द्वारा शासन को गुम राह करने हेतु जबरन भुगतान करने एवं अन्य फर्जी तरीको से रिपो टिंग करने का दबाव बनाया जाता है, जिससे शासन के समक्ष सही स्थिति प्रस्तुत नहीं हो पाती है, एवं नियमों के उल्लंघन करने की सम्भावना बनी रहती है, और रैंकिंग के नाम पर दबाव बनाया जाना बन्द किया जाये, विभि न्न शासकीय योजनाओं में उच्चाधिकारियों के द्वारा बिना भू–प्रबन्ध समिति का प्रस्ताव कराये तकनीकी एवं वित्तीय स्वीकृति कराये बिना ही जल्द बाजी में कार्य प्रारम्भ करने का दबाव भी बनाया जाता है। जिससे बाद में इन्ही बिन्दुओं को आधारबना कर विभिन्न प्रकार से उत्पीड़न किया जाता है। उपरोक्त कार्य प्रणा ली पर तत्काल रोक लगाई जाये।उन्होंने यह भी मांग की है कि उप रोक्त समस्याओं का निराकरण किया जाये, एवं कारागार में निरुद्ध ग्राम प्रधानों एवं समस्त कर्मचारियों की रिहाई करायी जाये,अन्यथा किसी भी दशा में उप रोक्त समस्त समस्याओं के निराकरण के न होने तक हम सभी अनिश्चित कालीन कार्य बहिष्कार पर डटे रहेंगे। इस मौके पर प्रधान बहलोलनिया जी,कर्ताराम यादव, वि जय पाल वर्मा,अवकात अली, विमल कुमारवर्मा गुलाब चन्द ,राध ो श्याम मोहम्मद उमर अंसारी, वसीम खां, कुर्बान अली मोहम्मद मुबारक,नाजि या,पार्वती,बिंदु देवी, लक्ष्मी देवी सहित तमा म ग्राम प्रध ाान व रोज गार सेवक मौजूद रहे।

लोक जनशक्ति पार्टी के सचिव मोहम्मद उमर के आवास पर एक बैठक की गई।

उतरौला बलरामपुरघ्घ विकास खण्ड गैडास बुजुर्ग अन्तर्गत ग्राम पंचायत इटई रामपुर ग्राम सभा के पूर्व प्रधान प्रत्याशी रेहानउल्लाह खान ने बताया कीहमारे ग्राम सभा में कुल 84 गांव की 25800 जन संख्या है जनसंख्या इसमें अन्तिम दाह संस्कार करने के लिए एक भी अंत्येष्टि स्थल नहीं है, जिस ग्राम सभा के लोगों को अन्तिम दाह संस्कार करने के लिए दर–दर भटकना पड़ता है। बरसात के दिनों में और भी अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस गांव में जल भराव के होने से ग्राम सभा के लोगों को कई किलो मीटर दूर ऊंचे स्थान पर दाह संस्कार करने के लिए जाना पड़ता है। पूर्व प्रधान प्रत्याशी रेहानउल्लाह खान ने लोग जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मोहम्मद उमर से मिलकरसरकार से मांग की है कि ग्राम पंचायत इटई रामपुर के ग्राम सभा में अंत्येष्टि स्थल का निर्माणकराया जाए जिससे ग्राम सभा के लोगों को अन्तिम संस्कार करने के लिए कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। इस मौके पर लोजपा के जिला अध्यक्ष प्रदीप कुमार लोजपा मेहनौन विधान सभा के अध्यक्ष राम नारायण लोजपा गौरा विधान सभा केअध्यक्ष अम्बिका प्रसाद, लोज पा के नेता कुतुबुल्ला खान,हंसराज,इम्तियाज खान, अकबर अली खां रमजानउल्ला खां सहि त तमाम कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

उपजिलाधिकारी उतरौला ने तटबंध का निरीक्षण कर नहर विभाग के एक्सईएन को बुलाकर निर्देश दिया।

उतरौला बलरामपुर/ विकास खण्ड उतरौला अन्तर्गत ग्राम पंचायत रुस्तम नगर में क्षतिग्रस्त तटबंध की मरम्मत की मांग ग्रामीणों के द्वारा की गई थी। मांग दृष्टि गत को देखते हुए उपजिलाधिकारी उतरौला राजेन्द्र बहादुर ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान सरयू नहर के एक्सईएन को बुलाकर निर्देश दिया कि अतिशीघ्र तटबंध के गैप को तुरन्त भरवाने का कार्य शुरू करवाया जाएं। इसके बावजूद उन्होंने यह स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि अगर तटबंध के अधुरे होने पर और अगर गांव में जल प्लावन की स्थिति आई तो विभाग के अधिकारियों की लापरवाही को शासन को संदर्भित कर विभागीय कार्यवाही की सिफारिश की जाएगी।

कारोबारी ने पत्नी और बेटी के साथ की आत्महत्या

लखनऊ (संवाददाता)। राजध ाानी लखनऊ में रविवार की रात कपड़ा कारोबारी ने पत्नी और बेटी के साथ आत्महत्या कर ली। सुबह तीनों की लाशें फ्लैट पर मिलीं। उनके मुंह से झाग निकल रहा था। इससे जहरीला पदार्थ खाकर जान देने की आशंका जताई जा रही है। सोमवार सुबह घरवालों को जानकारी हुई तो घर में चीख पुकार मच गई। पास में रखा एक सुसाइड नोट भी मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना चौक कोतवाली क्षेत्र के अशरफाबाद की है। यहां के रहने वाले कपड़ा कारोबारी शोभित (48), पत्नी (45) सुचिता और उनकी बेटी ख्याति (16) की मौत हुई है। उनके पास से मिले सुसाइड नोट में कर्ज से परेशान होकर जान देने की बात लिखी गई है। बताया गया कि शोभित राजाजीपुरम में कपड़े की दुकान चलाते थे। सूचना पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलित किए हैं।

विद्यालयों के समायोजन का आदेश वापस हो

सीतापुर (संवाददाता)। प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों ने रविवार को विधायक शशांक त्रिवेदी को ज्ञापन सौंपा। शिक्षकों ने विद्यालयों के समायोजन का आदेश वापस लेने की मांग की है। जिलाध यक्ष आदित्य प्रकाश मिश्रा की अगुवाई में मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन में कहा गया है कि शासन द्वारा परिषदीय विद्यालयों के समायोजन की प्रक्रिया अपनाते हुए परिषदीय विद्यालयों को बंद करने का निर्देश वापस लिया जाए। 50 से कम नामांकन वाले विद्यालयों की समायोजन प्रक्रिया अपनाने से ग्रामीण परिवेश में रहने वाले बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

जलभराव से शिक्षकों व छात्रों में दिक्कत

सीतापुर (संवाददाता)। ग्राम धौरहरा में प्राथमिक विद्यालय जाने वाले मार्ग पर एक माह से गंदा पानी भरा है। आवागमन में दिक्कत हो रही है। ग्राम पंचायत जगमालपुर के धौरहरा प्राथमिक विद्यालय जाने वाले मुख्य मार्ग पर जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त न होने के कारण और नालियों का गंदा पानी भर रहा है। जलभराव के चलते लोग वायरल और मलेरिया से पीड़ित हैं। एक जुलाई से शिक्षण सत्र प्रारंभ हो रहा है। ऐसे में विद्यालय के सामने भरा गंदा पानी स्कूल आने वाले नौनिहालों के लिए मुसीबत बनेगा। विद्यालय के प्रधानाचार्य जुनैद ने बताया कि विद्यालय के सामने जलभराव होने के कारण शिक्षकों और बच्चों को आवागमन में परेशानी होगी।

एक करोड़ से पेयजल आपूर्ति का होगा काम

हरदोई (संवाददाता)। नगर में जलनिकासी के लिए दो करोड़ रुपये से आठ नालों को बनवाया जाएगा, जबकि एक करोड़ रुपये से पेयजल आपूर्ति का काम कराया जाएगा। इसी के साथ प्रकाश व्यवस्था के लिए भी खरीदारी होगी। चेयरमैन तबस्सुम की अध्यक्षता में हुई नगर पालिका की बोर्ड बैठक में इन कामों के साथ ही और भी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुए। पालिका सभागार में बैठक की अध्यक्षता करते हुए चेयरमैन ने कहा कि आमजन की सुविधा और सहूलियत के कामों को वरीयता पर कराया जाए। सभासदों ने नोटिस के बाद ध्यान न दिए जाने का कर्मियों पर आरोप लगाया।

रुस्तम नगर के ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर उपजिलाधिकारी उतरौला को एक शिकायती प्रार्थना पत्र सौंपा।

उतरौला बलरामपुर राप्ती नदी के तट पर कटे बंधे के निर्माण को लेकर ग्राम रूस्तम नगर के बाशिंदों ने एक शिकायती पत्र उपजिला धि ाकारी उतरौला को सौंपा। नाराज ग्रामीणों ने दिए गए प्रार्थना पत्र में कहा है कि उक्त गांव में बाढ़ से बचाव हेतु वर्ष 2010 बंधा बनाया गया था, जो पिछले साल बाढ़ के दौरानबंधा कट गया था। यदि उक्त बांध को समय रहते मरम्मत नहीं किया गया तो बरसात में सैकड़ों लोग प्रभावित हो सकते है, तथा ग्रामीणों केकृषि योग्य भूमि बरबाद हो सकती है। बरसात की आमद करीब आते देख ग्रामीण काफी भयभीत हैं। उन्होंने मांग की है कि प्रशासन यदि अनु मति दे तो हम सब ग्राम वासी चंदा इकट्ठा करके बरसात से पहले बंधा का मरम्मत करा सकते हैं। किन्तु कुछ लोग राजनीतिक लाभ के लिए जनहित के कार्य में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। ग्राम वासियों ने जब रिया हस्तक्षेप पर रोक लगाते हुए कटे हुए बंधा का निर्माण कराने की मांग की है। इस मौके पर ग्राम प्रधान गुलाब चन्द, अम्बिका प्रसाद, अर्जुन प्रसाद, अनवारू ल हसन, राजेन्द्र प्रसाद, अशरफी लाल, गंगाराम राम सजन, लालमन, साधू सरन, गोकुल प्रसाद, अब्दुल वहाब, अब्दुल्ला, प्रमोद कुमार यादव, सुनील कुमार यादव, जाकिर अली, राज कुमार, धर्मराज, मजहर अली, राम सागर, राम भवन,ओम प्रकाश मौर्य, संतराम, असगर अली, मोहम्मद मारूफ, मोहम्मद मुस्ता क,आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

दस मोहर्रम के जुलूस में एम्बुलेस चिकित्सा सेवा को लेकर एक ज्ञापन सौंपा।

उतरौला बलरामपुर

दस मोहर्रम का जुलूस ए आशूरा के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उतरौला के द्वारा प्रदान की जाने वाली एंबुलेन्स सेवा और चिकित्सीय सहायता के सम्बन्ध में मोहर्रम कमे टी के अध यक्ष डाक्टर जुल्फेकार हैदर अली नवाज के द्वारा इमामि या ट्रस्ट के अध्यक्ष ऐमन रिजवी की अगु वाई में प्रवक्ता इमामिया ट्रस्ट एस एन हुसैन जनरल सेक्रेट्री और मोहर्रम कमेटी के इरफान हैदर इफ्फू की मौजूदगी में एक ज्ञापन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उतरौला के अध्य क्ष को सम्बोधित चिकित्साधिकारी डॉक्टर योगेन्द्र कुमार को सौंपा,और दस मोहर्रम के जुलूस ए आशूरा के परम्परागत जुलूस में एंबुलेन्स और चिकित्सीय सहायता की मांग की गई है। जिस पर मौजूद चिकित्साधिकारी ने एंबुलेन्स और चिकित्सा अधिकारी ने सहायता जुलूस में समय से पहुंचने का आश्वासन दिया।

यूपी बोर्ड : इंप्रूवमेंट और कंपार्टमेंट की लिखित परीक्षा १९ जुलाई को, ४६ हजार से अधिक परीक्षार्थी होंगे शामिल

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी बोर्ड की ओर से वर्ष–2025 की हाईस्कूल इंप्रूवमेंट और कंपार्टमेंट व इंटरमीडिएट कंपार्टमेंट की लिखित परीक्षा 19 जुलाई को आयोजित की गई है। परीक्षा के लिए 46,360 विद्यार्थियों ने आवेदन किए हैं। इस दौरान वाइस रिकॉर्डर युक्त सीसीटीवी कैमरे और राउटर क्रियाशील रहेंगे। हाईस्कूल इंप्रूवमेंट व कंपार्टमेंट परीक्षा सुबह 08:30 से 11:45 बजे तक और इंटरमीडिएट कंपार्टमेंट की परीक्षा दूसरी पाली में दो बजे से 5:15 बजे तक होगी। हाईस्कूल में कंपार्टमेंट व इंप्रूवमेंट के लिए 20,759 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। इनमें मेरठ क्षेत्रीय कार्यालय के तहत 5283, बरेली के 4142, प्रयागराज के 2575, वाराणसी के 6613 व गोरखपुर क्षेत्रीय कार्यालय के तहत 2146 आवेदन शामिल हैं। इंटरमीडिएट कंपार्टमेंट परीक्षा के लिए आए कुल 25,501 आवेदन आए हैं। इसमें से मेरठ क्षेत्रीय कार्यालय के 5291, बरेली के 3092, प्रयागराज के 6978, वाराणसी के 6973 व गोरखपुर क्षेत्रीय कार्यालय के 3167 आवेदन शामिल हैं। बोर्ड सचिव भगवती सिंह ने निर्देश दिया है कि सभी परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थी, केंद्र व्यवस्थापक, अध यापकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के अतिरिक्त बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश पूर्णतया वर्जित रहेगा। केंद्र व्यवस्थापक की जिम्मेदारी होगी कि परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर परीक्षार्थियों की अनावश्यक भीड़ एकत्रित न होने पाए। परीक्षा कक्ष के भीतर परीक्षार्थियों को मोबाइल, स्मार्ट वॉच या किसी भी प्रकार के अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण वर्जित रहेंगे। साथ ही मुख्य परीक्षा के तरह ही परीक्षा केंद्रों पर प्रश्नपत्रों के रखरखाव की व्यवस्था निर्धारित स्ट्रॉन्ग रूम के डबल लॉकयुक्त आलमारी में ही की जाएगी। सीसीटीवी कैमरों से स्ट्रॉन्ग रूम की 24 घंटे निगरानी होगी। प्रध ाानाचार्य परिषद की वेबसाइट upmsp-edu-in से पंजीकृत परीक्षार्थी के प्रवेशपत्र डाउनलोड होंगे। प्रति हस्ताक्षरित करते हुए प्रवेश पत्र परीक्षार्थियों को उपलब्ध कराए जाएंगे। वर्ष 2025 की हाईस्कूल इंप्रूवमेंट व कंपार्टमेंट परीक्षा के लिए प्रोजेक्ट आध ाारित प्रयोगात्मक परीक्षा व आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा और इंटरमीडिएट कंपार्टमेंट प्रयोगात्मक परीक्षा 11 व 12 जुलाई को होगी। इंटरमीडिएट की कंपार्टमेंट प्रयोगात्मक परीक्षा जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा जनपद मुख्यालय पर निर्धारित राजकीय अथवा अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों में आयोजित होगी।

यूपीएसएसएससी परीक्षा में बिजली निजीकरण पर आया सवाल,

लखनऊ (संवाददाता)।उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) के जूनियर अस्सिटेंट पद की लिखित परीक्षा में बिजली के निजीकरण पर सवाल पूछा गया। इस पर उपभोक्ता परिषद ने सरकार से जवाब मांगा है।उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) के जूनियर अस्सिटेंट पद की लिखित परीक्षा में बिजली निजीकरण से संबंधित भी एक सवाल पूछा गया। सवाल यह था कि बिजली घाटे और बुनियादी ढांचे के मुद्दों को हल करने के लिए उत्तर प्रदेश में किन दो बिजली वितरण कंपनियों के निजीकरण पर विचार किया जा रहा है?इस सवाल की जानकारी मिलने पर विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने पॉवर कॉर्पोरेशन और प्रदेश सरकार से सवाल पूछा है। कहा कि 3.45 करोड़ उपभोक्ता यह जानना चाहते हैं कि क्या निजीकरण से बिजली दरों में व्यापक बढ़ोतरी नहीं होगी? क्या सरकारी संपत्ति कम दामों में नहीं बिकेगी? क्या सरकारी क्षेत्र में रोजगार का सपना देख रहे युवा निराश नहीं होंगे? क्या आरक्षित वर्ग के 16 हजार पद समाप्त नहीं होंगे? इसलिए युवाओं के सामने सच्चाई आनी चाहिए।बिजलीकर्मियों की सभा आज झांसी में पूर्वांचल दक्षिणांचल के निजीकरण के विरोध में दो जुलाई हो होने वाले प्रदर्शन और जेल भरो अभियान की तैयारी शुरू हो गई है।

पेशी से एक दिन पहले युवक को घर से निकालकर सीने पर मारी गोली, मौत

लखनऊ (संवाददाता)।बहराइच में जमीन के विवाद में एक युवक को घर से निकालकर गोली मार दी। सोमवार को विवाद की पेशी थी। उसके एक दिन पहले ही युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई।जमीन के विवाद में विशेश्वरगंज क्षेत्र के चंदईपुर निवासी योगेश चौबे (28) को उनके पट्टीदारों ने रविवार देर शाम घर से निकालकर गोली मार दी।

परिजन गंभीर हालत में उन्हें लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।जितेंद्र चौबे ने बताया कि उनका पट्टीदारों से जमीन का विवाद चल रहा है। रविवार शाम वह धान की रोपाई करवा रहे थे। चचेरे भाई योगेश घर पर अकेले थे। इसी दौरान पहुंचे विपक्षी पट्टीदारों ने उन्हें घर से निकाला और पिटाई शुरू कर दी। इसके बाद सीने से सटाकर गोली मार दी।जितेंद्र ने आरोप लगाया कि पट्टीदारों ने चकमार्ग के दोनों तरफ कब्जा कर लिया है, जिसे लेकर विवाद चल रहा है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। सोमवार को पेशी भी है, लेकिन एक दिन पहले ही विपक्षियों ने चचेरे भाई की हत्या कर दी। हत्या के बाद परिजनों ने एसपी के सीयूजी नंबर पर फोन किया, लेकिन वह नॉट रिचेबल रहा।यही हाल एएसपी नगर रामानंद कुशवाहा व सीओ पयागपुर के सीयूजी नंबर का भी रहा।

विशेश्वरगंज थाना प्रभारी ने फोन ही नहीं उठाया। योगेश तीन भाइयों में बड़े थे। उनके पिता दिलीप चौबे किसान हैं और घर पर ही रहते हैं। परिवार के भरण पोषण के लिए योगेश डेयरी में दूध की सप्लाई का काम करते थे।

सपा राज था व्यापारियों का आपातकाल, अब यूपी है विकास का इंजन : विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह

लखनऊ (संवाददाता)। । सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से व्यापारियों और वर्तमान सरकार पर दिए गए बयान के जवाब में सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने रविवार को कहा कि अखिलेश यादव की सपा सरकार में व्यापारियों की हत्या, रंगदारी, फिरौती, अपहरण और डकैती आम बात बन चुकी थी।

सपा के पांच वर्षों में पचीस हजार से अधिक हत्याएं हुईं और रोजाना साढ़े सात हजार से ज्यादा गंभीर अपराध होते थे। इसका सीध ाा असर प्रदेश के उद्योग और व्यापारियों पर पड़ा। व्यापारी वर्ग पलायन को मजबूर हुए। सपा चिंतन करे कि क्यों पार्टी 50 सीटों से नीचे आ गई। उन्होंने सपा के शासन काल को व्यापारियों का आपातकाल कहा।योगी सरकार की श्श्श्जीरो टॉलरेंस नीतिश्श्श के बारे में कहा कि यूपी अब देश का सबसे सुरक्षित राज्य है और यह देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था ।

पूरे प्रदेश में मानसून का असर, ३० जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी, बढ़ा नदियों का जलस्तर

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तरप्रदेश में मानसून की चाल कुछ दिनों तक मद्धिम रहने के बाद, रविवार से इसकी जोरदार वापसी हुई है। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में मानसूनी ट्रफ लाइन खिसक कर मध्य यूपी की तरफ आ गया है। इसके असर से 30 जून से 1 जुलाई के बीच पूरे प्रदेश में अच्छी बारिश की संभावना है। बारिश से दिन के पारे में 3 से 4 डिग्री की गिरावट आएगी और गर्मी से तात्कालिक तौर पर राहत मिलेगी। सोमवार के दौरान सहारनपुर, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, शामली समेत सात जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

वहीं सोमवार को लगभग 35 जिलों में भारी बारिश् और 65 जिलों में आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी है। रविवार को देवरिया, बागपत, संभल आदि को छोड़कर बाकी पूरे प्रदेश में हल्की से मध्यम फुहारें देखने को मिली। फर्रुखाबाद में सर्वाधिक 90 मिमी बारिश रिकार्ड की गई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि रविवार को दक्षिण पश्चिमी मानसून पश्चिमी यूपी के बचे हुए हिस्सों समेत पूरे प्रदेश में सक्रिय हो गया। साथ ही मानसून की ट्रफ लाइन यानी मुख्य धारा खिसक कर मध्य यूपी की ओर आ जाने से सोमवार को उत्तरी और मध्य यूपी में अच्छी बारिश के संकेत हैं। सोनभद्र, चंदौली, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, गोंडा, श्रावस्ती, सीतापुर, हरदोई, फरुखाबाद, बाराबंकी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं व आसपास के इलाकों में। प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फरुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अम्बेडकर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं व आसपास के इलाकों में। मानसून के सक्रिय होते ही अवध में बढ़ने लगा नदियों का जलस्तर मानसून के सक्रिय होने और नेपाल में तेज बारिश से अवध क्षेत्र में नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है। गोंडा जिले के करनैलगंज क्षेत्र में सरयू नदी का जलस्तर 37 सेंटीमीटर बढ़कर खतरे के निशान से मात्र डेढ़ मीटर दूर रह गया है। अंबेडकरनगर जिले के कम्हरिया क्षेत्र में सरयू नदी में पानी तेजी से बढ़ रहा है।

उपभोक्ता की दुनिया
साध्य हिन्दी दैनिक

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शारदा प्रसाद पाठक द्वारा शंकर प्रिंटिंग प्रेस निकट भरत मिलाप चौराहा, नई बाजार भिनगा से मुद्रित तथा ग्राम हन्नामार पोस्ट गिलौला जनपद श्रावस्ती उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक
भगवान दीन पाठक
मो0– 91 94504 54367, 91 96530 13722

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र श्रावस्ती होगा।